ज्ञानामृत

जो स्वयं संयमित व नियंत्रित है उसे,
व्यर्थ में और अधिक नियंत्रित नहीं
करना चाहिये, जो अभी अनियंत्रित है,
उसी को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

अथर्ववेद

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, मंगलवार, 08 जुलाई 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 194 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

मध्यप्रदेश में बाढ़, मौत और बेहाल ज़िंदगी, नदियाँ उफनाईं, सड़कें टूटीं, मकान गिरे

मानसून का रेड अलर्ट

शहडोल में कई इलाके जलमग्न

बालाघाट में कॉलोनियों में भरा पानी

मंडला में उफान पर नर्मदा

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र

विजय मत, शहडोल/भोपाल

मध्यप्रदेश में मानसून का कहर तेज़ हो चला है। राज्य के लगभग तीन दर्जन जिलों में भारी बारिश के कारण नदियाँ उफान पर हैं, पुल बह गए हैं, सड़कें ध्वस्त हैं और कई जानलेवा हादसे सामने आए हैं। कटनी, मंदसौर, सीहोर, मंडला, डिंडौरी, राजगढ़, सिवनी और बालाघाट जिलों में हालात ज्यादा गंभीर हैं। सोमवार को राज्य के 27 से अधिक जिलों में तेज़ बारिश दर्ज की गई। कटनी जिले में रविवार रात एक कच्चा मकान ढहने से एक ही परिवार के पाँच सदस्य घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर है। वहीं बरही थाना क्षेत्र में एक वृद्ध हरिया कुम्हार नदी में मवेशियों को बचाने के प्रयास में बह गए। 24 घंटे बाद भी उनका कोई पता नहीं चला है। एनडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी है। इटारसी में रेलवे थाने से लेकर बाजारों और कॉलोनियों तक में पानी भर गया है। मंदसौर के गांधीसागर डैम में दो युवक डूब गए। बताया गया कि वे कोटा (राजस्थान) से पिकनिक मनाने आए थे। सीहोर जिले में पार्वती नदी पर पुल के ऊपर से बहते पानी में एक कार फंस गई, जिसे ग्रामीणों ने मशक्कत कर बाहर निकाला।

नर्मदा ने पार किया चेतावनी स्तर, कई पुल डूबे

मंडला जिले में नर्मदा नदी 437.40 मीटर तक पहुंच गई है, जो चेतावनी स्तर से ऊपर है। माहिष्मती घाट पर बना छोटा पुल पूरी तरह डूब चुका है। मटियारी, सुरपन और बंजर सहित कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान पर है। जबलपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में स्कूल व आंगनबाड़ी बंद कर दिए गए हैं। डिंडौरी जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी तीन साल पुरानी धमनी-कुसेरा मार्ग की सड़क भी बह गई। भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है।

राजगढ़ और खिलचीपुर में सड़कों पर आधा फीट पानी

सोमवार को राजगढ़ और खिलचीपुर में हुई मूसलधार बारिश के चलते सड़कों पर जलजमाव हो गया। केंद्रीय विद्यालय मार्ग पर करीब आधा फीट पानी भर गया। पैदल चलने वालों को कीचड़ व पानी से जूझना पड़ा। खिलचीपुर नाके पर वाहनों के जाम में फंसने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। 1 जून से 7 जुलाई तक राजगढ़ जिले में औसतन 335.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जिसमें ब्यावरा में सबसे अधिक 475.2 मिमी और सारंगपुर में सबसे कम 192.2 मिमी बारिश हुई।

कटनी में बहा युवक, पेड़ की डाल पकड़कर बचाई जान

कटनी के मुक्तिधाम क्षेत्र में मछली पकड़ते वक्त एक युवक नदी में बह गया। हालांकि वह बहते-बहते एक पेड़ की डाल को पकड़ने में सफल रहा। वहां लटकते हुए उसने शोर मचाया, जिससे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। गोताखोरों की मदद से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उसकी पहचान विजयखेड़ा निवासी पंकज चौधरी के रूप में हुई है। कटनी के गुड़ा जमुनिया गांव में बारिश के चलते एक कच्चा मकान ढह गया। हादसे में रामस्वरूप सिंह (60), उनकी पत्नी कोशा बाई (50), दो बेटे और एक भाई घायल हुए। साथ ही घर में बंधी दो भैंस और एक बैल की मौत हो गई। मकान में रखा अनाज, कपड़े और अन्य सामान भी बारिश की भेंट चढ़ गया।

मध्यप्रदेश में तीन दिन और भारी बारिश

मध्यप्रदेश में भारी बारिश का सिलसिला थमने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने 8, 9 और 10 जुलाई के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले तीन दिन तक चिंताजनक स्तर की वर्षा की संभावना जताई गई है।

8 जुलाई: छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। जबकि विदिशा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला और बालाघाट में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के अलावा इंदौर, उज्जैन, भोपाल, राजगढ़, देवास, ग्वालियर, अशोकनगर, शिवपुरी, दमोह, सीधी, डिंडोरी और अनूपपुर सहित करीब 30 से अधिक जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

9 जुलाई: इस दिन इंदौर, देवास, झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में अति भारी बारिश की संभावना है। इनके साथ नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, दतिया, भिंड, सिंगरौली, अनूपपुर, श्योपुर जैसे जिलों में भी भारी वर्षा के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

10 जुलाई: विदिशा में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, टीकमगढ़, दतिया, छतरपुर, निवाड़ी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम में भी भारी वर्षा की आशंका है।

देशभर में बारिश का असर: हिमाचल से छत्तीसगढ़ तक जनजीवन प्रभावित

मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और उत्तरप्रदेश के भी कई हिस्सों में बारिश से हालात बिगड़े हैं। गुजरात के नवसारी में पूर्णा नदी उफान पर है। शहर के 15 से ज्यादा निचले इलाकों में 3-4 फीट पानी है। हजारों घरों में पानी भरा है। लोगों का जरूरत का सारा सामान पानी से खराब हुआ। वहीं उत्तराखंड के उत्तरकाशी में तेज बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी इलाके का पुल नदी में बह गया। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। छत्तीसगढ़ में पिछले 3 दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। बिलासपुर में कई इलाके डूबे हैं। कोरबा जिले में रविवार शाम 17 लोग बाढ़ में फंस गए थे। आज सुबह तक सभी को बचाया गया। राजस्थान के 20 से ज्यादा जिलों बारिश जारी है। दौसा में दीवार ढहने से महिला की मौत हुई। झुंझुनूं में बाघोली नदी के तेज बहाव के कारण नेशनल हाईवे-52 को जोड़ने वाली सड़क धंस गई। वहीं, यूपी के नोएडा में तेज बारिश के कारण निचले इलाकों के घरों में 2 फीट पानी भर गया। बिजनौर में बारिश के कारण स्कूलों की छुट्टी की गई। अयोध्या में सरयू नदी ने वॉर्निंग लेवल पार कर 91.96 मीटर पर बह रही है। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से 6 जुलाई के बीच बादल फटने की 19 घटनाएं हुईं। 23 बार बाढ़ और 19 बार लैंडस्लाइड हुए। 269 सड़कें बंद हैं। बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 82 लोगों की जान जा चुकी है।

काशी में गंगा उफान पर, कई घाट डूबे

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन: 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 20 हजार से अधिक रोजगार का होगा सृजन

पंजाब और मप्र मिलकर करेंगे देश का विकास: मोहन यादव

- मध्यप्रदेश में निवेश करें और विकसित भारत के निर्माण में बने भागीदार
- श्रमिकों के हित में मध्यप्रदेश सरकार ने बड़े स्तर पर लंबित सेटलमेंट किये क्लियर
- निवेशकों को राज्य की औद्योगिक नीतियों से कराया अवगत
- इंटरैक्टिव सेशन और संवाद-सत्र में 400 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल
- वन-टू-वन चर्चा में 15 से अधिक उद्योगपतियों से किया संवाद
- निवेशकों ने म.प्र. के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई निवेश के प्रति रूचि

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिस्ट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश की रत्नगर्भा भूमि में निवेश करने के लिए आत्मीयता से आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। आइये और मध्यप्रदेश में अपना दूसरा घर बनाईये। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े बिछाकर आपका स्वागत करेगी।

मुख्यमंत्री की लुधियाना में प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लुधियाना प्रवास के दौरान पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन बैठक कर उन्हें मध्यप्रदेश की निवेश समर्थक नीतियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश सरकार जहाँ भी संभावनाएं दिख रही हैं, वहाँ नीतिगत बदलाव करने के लिए पूरी तत्परता से काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रमिकों और उद्योगों दोनों के हितों का समान ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा करने वाले उद्योगपतियों में टेक्सटाइल सेक्टर से नाहर ग्रुप के सीएमडी दिनेश ओसवाल, एसईएल ग्रुप के सीएफओ नवनीत गुप्ता और बॉन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि मंजीत सिंह शामिल रहे। स्टील क्षेत्र से टीके स्टील समूह के एमडी लोकेश जैन ने प्रदेश में संभावित निवेश अवसरों पर चर्चा की। फार्मास्यूटिकल्स, एथेनॉल एवं रसायन क्षेत्र से आईओएल केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स के एमडी वरिन्दर गुप्ता और एमआरएम मेध्या ग्रीनटेक के डायरेक्टर पुनीत अग्रवाल ने निवेश प्रस्ताव रखे। खाद्य प्रसंस्करण और चाय उद्योग से जुड़े भगवती लैक्टो वेजिटेरियन एक्सपोर्ट्स के एमडी सुशील मित्तल और केजी एक्सपोर्ट टीम के सदस्य हरीश दुआ ने मध्यप्रदेश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, कृषि उत्पाद उपलब्धता और फूड पार्क्स पर चर्चा की।

अब ब्रिक्स देशों को अमेरिका की धमकी पर चीन ने किया पलटवार

यूएस विरोधी नीतियों का समर्थन करने पर 10 अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्राजील में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को बड़ी चेतावनी दे डाली। उन्होंने कहा कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिका विरोधी नीति का समर्थन करते हैं तो उन पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। ब्रिक्स सम्मेलन में ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों की निंदा किए जाने के बाद ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए ब्रिक्स देशों को चेताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इस नीति में कोई अपवाद नहीं होगा। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद! इसके बाद ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दुनिया भर के विभिन्न देशों के साथ अमेरिका के टैरिफ पत्र और समझौते सोमवार सात जुलाई को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से वितरित किए जाएंगे।

टैरिफ से किसी को लाभ नहीं होता, यह देशों पर दबाव बनाने की कोशिश: चीन

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स देशों पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने की ट्रंप की धमकी की चीन ने निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि टैरिफ से किसी को लाभ नहीं होता है। यह बस दूसरे देशों पर दबाव बनाने की कोशिश है। ब्राजील में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल देशों ने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों और टैरिफ को लेकर अमेरिका की निंदा की थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका विरोधी नीति का समर्थन करने वाले देशों को 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसे लेकर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टैरिफ के इस्तेमाल से किसी को भी लाभ नहीं होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा था कि ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट 10 को करेगा याचिकाओं पर सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने इस मामले में दायर याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग के इस कदम की वैधता पर निर्धारित तिथि को विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के नेतृत्व में कई याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत दलीलों को संज्ञान में लेते हुए गुरुवार (10 जुलाई) को मामले की सुनवाई के लिए सहमति जताई। सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि वह इन याचिकाओं पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी करे।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ शेयर बाजार बंद सेंसेक्स नौ अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी। सोमवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। अमेरिकी टैरिफ की 9 जुलाई की समयसीमा से पहले सतर्कता, एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी फंडों की निकासी ने बाजार पर असर डाला। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 85.88 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंक या 0.01 प्रतिशत बढ़कर 83,442.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 83,516.82 के उच्च और 83,262.23 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.30 अंक या 0 प्रतिशत बढ़कर 25,461.30 अंक पर पहुंच गया।

शेयर सूचकांकों में हेराफेरी पर राहुल का हमला, कहा- अमीरों को और अमीर बना रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर सूचकांकों में कथित रूप से हेराफेरी करने के मामले में सेबी की कार्रवाई के बाद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने का कि शेयर बाजार में बड़े खिलाड़ी हेरफेर कर रहे हैं और सरकार चुप्पी साधे है। इससे साफ है कि सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है। जबकि आम निवेशकों को बर्बादी के कगार पर धकेल रही है। बता दें कि सेबी ने हाल ही में अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट समूह पर हेराफेरी मामले में प्रतिबंध लगाया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैंने पहले ही वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) बाजार में खामियों की भविष्यवाणी की थी। मैंने 2024 में स्पष्ट रूप से कहा था कि एफएंडओ बाजार बड़े खिलाड़ियों के लिए खेल का मैदान बन गया है और छोटे निवेशकों की जेबें लगातार

देश में पहली बार लोग खुद भर सकेंगे जनगणना का फॉर्म, केंद्र सरकार ने की खास तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में होने वाली अगली जनगणना को लेकर सरकार ने एक बड़ा ऐलान किया है। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें आम लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए सरकार एक खास वेब पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप के जरिए भी जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। भारत में अब तक जनगणना के लिए घर-घर जाकर सरकारी कर्मचारी कागज पर जानकारी इकट्ठा करते थे। लेकिन अब सरकार इस प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने जा रही है। पहली बार मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के जरिए लोगों की जानकारी ली जाएगी। इससे न केवल काम तेजी से होगा, बल्कि डेटा भी सुरक्षित तरीके से सीधे सरकार के केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा।

अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब, चार दिन में 70 हजार से अधिक ने किए दर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। पिछले चार दिनों में 70 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की, जबकि 8,605 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था सोमवार को कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। 8,605 यात्रियों का एक और जत्था सोमवार को दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार, तीन जुलाई से शुरू अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक करीब 70 हजार लोगों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इनमें से 21,512 यात्रियों ने रविवार को दर्शन किए। इसके अलावा, 8,605 यात्रियों का एक और जत्था सोमवार को दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ।

न्यूज इन शॉर्ट

उल्टी दस्त की बीमारियों से आम जनों को सतर्क रखने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

उमरिया । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल से कहा है कि बरसात के दिनों में होने वाले उल्टी दस्त की घटनाएं सामने आने पर तत्काल समुचित इलाज मुहैया कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापवाही नही बरती जाए ।उन्होने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित रूप से भ्रमण करते हुए समस्त दवाईयों की उपलब्धता बनी रहे, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले , हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

रपटा बहने से ग्रामीणों को हो रही परेशानी

उमरिया। जिला मुख्यालय से जुड़ने वाली सड़क जो कभी सिर्फ8 किमी की थी, अब रपटा टूटने के बाद 16 किमी की लंबी हो गई है । ग्राम कच्छरवार जो मुख्यालय से महज 8 किमी दूर है।बरसात के चलते शिव मंदिर के पास बना पुराना रपटा पूरी तरह ढह गया, जो ग्रामीणों का मुख्य मार्ग था। हालात इतने खराब हैं कि कुछ ग्रामीण अब टूटे रपटा के पास सीढ़ी लगाकर जोखिम उठाते हुए रास्ता पार करने की कोशिश कर रहे हैं।स्थानीय निवासी मुकेश सोनी बताते हैं कि अब लोगों को खेरवा-अंचला-धनवाही होकर मुख्यालय जाना पड़ रहा है, जिससे न केवल समय दोगुना हो गया है, बल्कि ग्रामीणों की रोज़मर्रा की मुश्किलें भी कई गुना बढ़ गई हैं।

मारपीट करने पर मामला कायम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत स्टेषन चौराहा में आरोपी व्दारा फरियादीसे गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।षंभू सिंघलउम्र 18 साल की षिकायत पर पुलिस ने हर्ष समुन्द्रे, विकास लोधी, सूजल , बिरहा , हर्ष भाटी पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए । समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह , संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले , हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

सीआईएल समाज के जरूरतमंद वर्गों के विकास की दिशा में प्रयासरत

उमरिया। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) यह कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न कंपनी है। वित्तीय वर्ष 24-25 में 781.1 मिलियन टन उत्पादन के साथ यह दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है।कंपनी भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है। वित्तीय वर्ष 14-15 से 6,300 करोड़ रुपए से भी अधिक सीएसआर व्यय के साथ सीआईएल समाज के जरूरतमंद वर्गों के विकास की दिशा में भी प्रयासरत है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के लिए हर साल लगभग 10 लाख अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। सीआईएल ने अपने खनन वाले जिलों से यूपीएससी सिविल सेवा और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत निर्माण छप्तट्ठ।छ छवइसम प्दपजपंजपअम वित त्मूंतकपदह डंपदे ेचपतंदजे व्छिंजपवदंस ब्वंसपिमसक ग्मंपदंजपवद योजना की शुरुआत की है। योजना का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने हेतु कोयलांचल के प्रतिभाशाली जरूरतमन्द कर्मयोगियों को परीक्षा के अगले चरणों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना है। यह योजना ऐसे अभ्यर्थियो के लिए है जो वर्ष 2025 मे यूपीएससी व्दारा आयोजित सिविल सेवा, वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 मे उत्तीर्ण हुए हो,सीआईएल, अनुशंगी कंपनियों के किसी भी खनन जिले के स्थाई निवासी हो तथा जिनकी पारिवारिक आय 8 लाख रूपये से कम हो ।

युवक को कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटा, पत्नी भी बनी शिकार

ग्राम अमड़ी की दिल दहला देने वाली घटना , अंधविश्वास बना हिंसा की वजह

विजय मत, उमरिया

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमड़ी से सोमवार सुबह एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने एक बार फिर समाज में फैले अंधविश्वास की भयावह सच्चाई को उजागर कर दिया है। जादू-टोने के शक में गांव के ही कुछ दबंगों ने एक युवक को पहले कमरे में बंद किया और फिर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटकर लहूलुहान कर दिया। घटना सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब विशाल बैगा पिता धन्नू बैगा को गांव के ही भल्लू, सुरेन्दा, गुड्डा, गिरजा, नन्नी और जामवती ने पकड़ लिया और उसे जबरन एक कमरे में बंद कर दिया। आरोप है कि सभी हमलावर पीड़ित के ही पड़ोसी हैं। उन्होंने अंधविश्वास और जादू-टोने के शक में विशाल पर निर्ममता से हमला किया। विशाल को लाठी-डंडों से इतना मारा गया कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके सिर में गहरी चोट आई है।इस घटना में विशाल की पत्नी रेशमा बैगा भी बीच-बचाव के दौरान हमलावरों की दरिंदगी से नहीं बच सकी। रेशमा ने बताया कि जब वह अपने पति को बचाने पहुंची, तो आरोपियों ने उसे भी पीट-पीटकर घायल कर दिया। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को दी, जिसके बाद घायल दंपति को जिला अस्पताल लाया गया। विशाल की हालत बेहद गंभीर है और वह बेहोशी की हालत में भर्ती है। यह घटना जिला मुख्यालय से महज 7-8 किलोमीटर की दूरी पर घटी है, जो साफदर्शाता है कि शिक्षा और विज्ञान की तमाम कोशिशों के बावजूद अंधविश्वास आज भी ग्रामीण समाज में गहराई तक फैला हुआ है। पीड़ितों के मुताबिक, उन्हें किसी तरह की पूर्व दुश्मनी नहीं थी, लेकिन आरोपियों ने जादू-टोने के संदेह मात्र पर यह जघन्य कृत्य कर डाला। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। वहीं पीड़ित परिवार ने प्रशासन से दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों में कड़ी सजा नहीं दी गई, तो अंधविश्वास के नाम पर हिंसा का यह सिलसिला थमता नहीं दिखाई देता। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और क्या दोषियों को कानून के कठघरे में लाकर इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सकेगी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ऑफलाइन, ऑनलाइन विधिक कार्यशाला सम्पन्न

विजय मत, उमरिया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ऑफलाइन तथा ऑनलाईन माध्यम से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के 70 अधिकारी, कर्मचारियों को टाइगर ट्रस्ट संस्था द्वारा विधिक सहायता प्रदान करते हुए नव निर्मित कानून भारतीय न्याय संहिता-2023,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 के नवीन प्रावधान एवं पुराने कानून जैसे सीआरपीसी,आईपीसी एवं साक्ष्य अधिनियम के साथ नए कानून पर तुलनात्मक .ष्टि से प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट-2000 पर जोर देते हुए सूचना प्रौद्योगिकी का अपराध अन्वेषण में ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने एवं अपराधी को सज़ा दिलाने में उत्पन्न होने वाली समस्या के समाधान पर भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। विधिक कार्यशाला में टाइगर ट्रस्ट संस्था की ओर से सुश्री अंजना गोसाई, प्रदीप सिसोदिया, संजीव कड़गवाल एवं सुश्री शालिनी नायर द्वारा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक विधिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के सभी सत्रों में डॉ.अनुपम सहाय,क्षेत्र संचालक, बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व एवं पी.के.वर्मा, उपसंचालक, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उपस्थित रहे । दोनों ही वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। आगामी कुछ माह में टाइगर ट्रस्ट संस्था एवं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में विधिक कार्यशाला को प्रायोगिक तौर पर भी आयोजित किया जाएगा जिससे और अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी इससे लाभान्वित हो सकेंगे एवं विधि संबंधी कार्य में आने वाली समस्याओं से बेहतर ढंग से निपट सकेंगे।

महाविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण स्थगित

उमरिया। संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया ने बताया कि शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय उमरिया में आयोजित प्रशिक्षण स्थगित कर दिया गया है । उन्होने निर्देशित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व्दारा दिये गये निर्देश एवं मापदंड अनुसार बीएलओ की नियुक्ति का प्रस्ताव 03 दिवस में इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें जिससे अनुमति हेतु प्रस्ताव आयोग को भेजा जा सके।

बिना मुंडेर वाले कुओं का अवलोकन करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

विजय मत, उमरिया

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने समय सीमा की सासाहिक बैठक में नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा है कि वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि नही हो, इसके लिए आवश्यक है कि बिना मुंडेर वाले कुओं का अवलोकन किया जाए तथा उसका समुचित प्रबंधन किया जाए , ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित नही हो सके । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले , हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति, जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

विजय मत, उमरिया

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय पोषण समिति, जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न हुई ।

कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रो में नियमित रूप से बच्चों को मीनू के आधार पर पोषण उपलब्ध कराया जाए । कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करते हुए उसे समुचित इलाज मुहैया कराया जाए । इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं को गर्म पका हुआ नाश्ता, भोजन वितरित किया जाए । उन्होने जिला कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों के अभिभावको से मुलाकात करते हुए बच्चों,को स्कूल भेजने की समझाइश दी जाए एवं उनकी निरंतर रूप से काउंसलिंग भी की जाए , ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके ।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि जिले में 786 आंगनबाड़ी केन्द्र है । पोषण ट्रैकर मे कुल दर्ज 6 वर्ष के बच्चों की संख्या 43369 है । उन्होने बताया कि दर्ज 20812 गर्भवती महिलाओं में से 16728 महिलाओं को , 3974 धात्री महिलाओं में से 2947 महिलाओं को , 6 माह से 3 वर्ष के 3080 बच्चों मे से 2085 बच्चों को तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के 30247 में से 17055 बच्चों को टीएचआर का लाभ वितरित किया जा रहा है । उन्होने बताया कि जिले में 107 बच्चो को मुख्य मंत्री बाल आर्शीवाद योजना का लाभ प्रदाय किया गया है । पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन से लाभांवित हितग्राहियों की संख्या 2 है ।

बालक बालिका को प्रवेश दिए के संबंध में एक बालक को बालक आश्रय गृह कटनी तथा एक बालिका को वन स्टाप सेंटर भेजा गया है ।

बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले , जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से बीडी दीक्षित , जिला बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष शशि गौतम, रवि सिंह, .ष्णा तिवारी, मधुलिका अग्रवाल रविशंकर तिवारी सदस्य, सदस्य सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

भालू के हमले से मृतकों के परिजनों के प्रति जनप्रतिनिधियों द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गई

विजय मत, सीधी

जिले के ग्राम बस्तुआ में जंगली भालू के हमले से तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है जबकि दो व्यक्ति इसमें घायल हो गए हैं। उक्त दुःखद घटना पर सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम सहित जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारी कुसमी आर पी त्रिपाठी ने बस्तुआ पहुंचकर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की तथा राहत एवं बचाव कार्य का नेतृत्व किया।उपखण्ड अधिकारी कुसमी श्री त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार दिनांक 07.07.2025 को प्रातः लगभग 6 बजे ग्राम बस्तुआ में बब्बू यादव की पालतू भैंस पर जंगली भालू ने आक्रमण कर दिया। उसे बचाने के लिए बब्बू पिता गोपाल यादव 80 वर्ष, संतोष कुमार यादव पिता बब्बू यादव 43 वर्ष, दीनबन्धु पिता देवशरण साहू 65 वर्ष, मनीष कुमार पिता दीनबन्धु साहू 23 वर्ष एवं तेजबली पिता रामा सिंह 65 वर्ष गए। उन पर भी भालू द्वारा हमला कर दिया गया जिसमें से बब्बू यादव एवं दीनबन्धु साहू की मौके पर ही मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल सीधी में उपचार के दौरान संतोष कुमार यादव की भी मृत्यु हो गई। मनीष साहू एवं तेजबली सिंह का जिला चिकित्सालय सीधी में उपचार किया जा रहा है।

जिले में बीते 24 घंटे में 109.1 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया । अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि जिले में बीते 24 घंटे में 109.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ मे 95.8 मिमी, मानपुर में 120.6 मिमी, पाली मे 128.6 मिमी, नौरोजाबाद में 79.2 मिमी, चंदिया में 124.4, करकेली में 98.6 मिमी, बिलासपुर में 116.8 मिमी वर्षा शामिल है । जिले में 1 जून से लेकर आज दिनांक तक 476 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ मे 436.2 मिमी, मानपुर में 435.2 मिमी, पाली मे 436.2 मिमी, नौरोजाबाद में 428 मिमी, चंदिया में 711.4, करकेली में 370.4 मिमी, बिलासपुर में 484.2 मिमी वर्षा शामिल है ।

बाजार में बेंचे जा रहे सड़े फल व दूषित खाद्य सामग्री

विजय मत, सीधी

शहर में बेरोंकटोक सड़े फल व दूषित खाद्य सामग्री बेंची जा रही है। कारोबारी अच्छी सामग्री के बीच में सड़े-गले फलों को मिक्स करके रखते हैं और ग्राहकों की नजर बचाकर पैक कर देते हैं। नगर पालिका और खाद्य सुरक्षा विभाग की अनदेखी के चलते बाजार में सड़े फल और दूषित खाद्य सामग्री धड़ल्ले से बेंची जा रही है। जिससे लोग बीमारियों की चपेट में आ रही है। इस साल प्रशासन द्वारा इन पर अंकुश लगाने के लिए कोई मुहिम शुरू नही की गई है। जिससे नपा और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की अनदेखी शहर के नागरिकों पर भारी पड़ रही है। मालुम हो कि गत वर्ष नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मुहिम चलाकर दूषित फलों को फिकवाने और कार्रवाई करने के साथ ही होटल, रेस्टोरेंट और नास्ता आदि की ठेलो पर बिकने वाली खाद्य सामग्री की जांच की जाती थी और सेंपल भी लिए जाते थे वही ज्यादा लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई भी की जाती थी। लेकिन इस बार ऐसा कुछ देखने में नही आ रहा है। चाय-नास्ता की दुकानों और हांथ ठेला आदि का समोसा, कचौड़ी, पोहा-जलेबी, पूड़ी, चाट आदि खाद्य सामग्री बगैर ढंके ही धड़ल्ले से बेंची जा रही है। जिससे इन पर मख्खी-मच्छर भिनभिनाते रहते है। वहीं सडक़ से उडने वाली धूल इन पर लगती है। जिससे यह खाद्य सामग्री दूषित हो जाती है। और इन्हे खाने से विभिन्न प्रकार की बीमारियों की चपेट में नागरिक आते है। नास्ता आदि बनाने वाले ज्यादातर दुकानदार जिस कढ़ाई में समोसे-कचौड़ी बनाते है उस कढ़ाई का तेल महीनो नही बदला जाता और न ही उन्हे साफ किया जाता है। थोड़ा कम तेल होने पर और तेल उसी कढ़ाई में डाल दिया जाता है। इस प्रकार कढ़ाई का तेल महीनो चल जाता है। शहर में खाद्य सामग्री बनाते समय कई जगह साफ-सफाई व स्वच्छता का ध्यान नही रखा जाता है। लिहाजा तैयार की गई खाद्य सामग्री प्रदूषित हो जाती हैं। प्रदूषित खाद्य सामग्रियों का सेवन करने से लोग पेट की बीमारी से ग्रसित होकर दवाई कराने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल वनमण्डल जिला-शहडोल 484001 (म.प्र.)

PHONE -07652-240304, FAX-07652-240304 EMAIL-dfosshahdola mpforest.org, dfotsshahd@mp.gov.in

क्रमांका / एन0आई0टी0/ ई-टेण्डर/2025/6020 — शहडोल दिनॉक 27.06.2025

ई-निविदा प्रेस विज्ञप्ति सूचना

वन मण्डल दक्षिण शहडोल अंतर्गत कार्यालय में उपयोग होने वाली कम्प्यूटर / लैपटॉप की आवश्यकता है। जिस हेतु वर्ष 2025-26 में सामग्री प्रदाय हेतु एम0 पी0 ई-टेन्डर पोर्टल पर ऑनलाईन पोर्टल - https://mptenders.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी निविदा क्रमांक / 2025 -2025_MPFD_434121_1 है। निविदा हेतु सामग्री का विवरण एवं स्पेशिफिकेशन निम्नानुसार है :-

PRODUCT SPECIFICATIONS

क्रमांक	सामग्री का नाम एवं स्पेशिफिकेशन	मात्रा
1	Computer Dekstop Set (Brand - Dell)	01 नग
2	Laptop (Brand Dell)	01 नग
3	Printer Brand - HP 126nw	01 नग
4	Printer Brand - HP 126nw	01 नग

निविदा में भाग लेने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय की जानकारी निम्नानुसार है :-

विवरण	दिनांक	समय
Tender Publishing Date & Time	Date 01/07/2025 Time 15:00 PM	निविदा आनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in
Tender Sale Start Date & Time	Date 01/07/2025 Time 15:00 PM	
Pre Bid Meeting Date	Date................ Time............AM	
Bid Submission Start Date & Time	Date 01/07/2025 Time 15:00 PM	
Bid Submission closing Date & Time	Date 21/07/2025 Time 11:00 AM	
Bid Opening Date & Time	Date 22/07/2025 Time 11:30 AM	

निविदादाता निविदा की सूचना एवं सामग्रियों के विस्तृत विवरण हेतु एवं अन्य संबंधित जानकारी वेबसाईट https://mptenders.gov.in एवं विभाग की वेबसाईट https://mpforest.gov.in पर देख सकते है।

G15270/25

(श्रद्धा पन्द्रे)
वन मण्डलाधिकारी
दक्षिण शहडोल वनमण्डल

ज्ञानामृत
यदि हम समाधान का हिस्सा नहीं हैं तो इसका मतलब यही है की हम खुद समस्या हैं।
कहावत

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, मंगलवार, 08 जुलाई 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 194 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

सोने की चमक में भारत की भागीदारी बढ़ी, 23 ट्रिलियन डॉलर के बाजार में 15% हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 12.5 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि सोने का बाजार वर्तमान में 23 ट्रिलियन डॉलर का है, जिसमें से 15 प्रतिशत भारत में है।

यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। डीएसपी म्यूचुअल फंड की जुलाई 2025 की नेत्रा रिपोर्ट के अनुसार, अब तक निकाले गए कुल सोने में से 65 प्रतिशत आभूषणों के रूप में है और वैश्विक भंडार का मात्र 5 प्रतिशत सोने में स्थानांतरित होने से इसकी कीमत में निरंतर और महत्वपूर्ण उछाल आ सकता है। केंद्रीय बैंक के सोने के भंडार में वृद्धि हो रही है और उन्होंने पिछले 21 वर्षों की तुलना में पिछले चार वर्षों में अधिक सुरक्षित-संपत्तियां खरीदी हैं।

रक्षा क्षेत्र को अब प्रभावशाली आर्थिक निवेश के रूप में देखा जा रहा है: राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि दुनिया

भर में फिर से हथियारों की होड़ बढने से रक्षा क्षेत्र को अब केवल आवश्यक व्यय के बजाय एक रणनीतिक आर्थिक निवेश के रूप के रूप में देखा जा रहा है और इसे ध्यान में रखते हुए 'रक्षा क्षेत्र के अर्थशास्त्र' पर विशेष जोर दिये जाने की जरूरत है। श्री सिंह ने सोमवार को यहां रक्षा लेखा विभाग द्वारा आयोजित नियंत्रक सम्मेलन 2025 में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी बदलावों का उल्लेख किया। दुनिया के अनेक हिस्सों में बढ रहे टकरावों तथा संघर्षों के मद्देनजर हथियारों की होड़ के बढने का जिर्‍ करते हुए उन्होंने कहा, "आज भारत सहित पूरा विश्व फिर से हथियारबंद होने के नए दौर से गुजर रहा है।

इसरो ने आईएसएस पर मौजूद शुभांशु शुक्ला से छात्रों की करायी बात

चेन्नई , एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन(आईएसएस) पर गये भारतीय

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से बातचीत कराने के लिए छात्र संवाद कार्यर्‍ म का आयोजन किया है। इसरो ने एक बयान में कहा कि गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ने कुछ दिन पहले त्रिवेंद्रम और लखनऊ में आयोजित सत्रों में छात्रों के साथ संवाद किया। इसरो का उद्देश्य छात्र संपर्क गतिविधियों के माध्यम से अंतरिक्ष गतिविधियों, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग में युवा मन की जिज्ञासा को जगाना है। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) त्रिवेंद्रम के परिसर में आयोजित संवाद में केरल राज्य के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।

सपाट पिच और ड्यूक्स बॉल इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के सार को खत्म कर रहा है: गिल

बर्मिंघम, एजेंसी। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि सपाट पिचों और ड्यूक्स गेंद का संयोजन

इंग्लैंड में टेस्ट रि केट के सार को खत्म कर रहा है। इंग्लैंड को 336 रनों से हराने के बाद परिस्थितियों को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में गिल ने कहा, "गेंदबाजो के लिए यह बहुत मुश्किल हो जाता है। जब विकेट से भी ज्यादा, गेंद बहुत जल्दी नरम और खराब हो जाती है। मुझे नहीं पता कि यह क्या है मौसम, विकेट या कुछ और लेकिन गेंदबाजों के लिए इन परिस्थितियों में विकेट लेना बहुत कठिन हो जाता है। एक टीम के रूप में, जब आपको पता होता है कि विकेट लेना मुश्किल है और रन आसानी से बन रहे हैं, तो ऐसे में बहुत सी चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं।" गिल ने एजबेस्टन में दो पारियों में 269 और 161 रन बनाने को लेकर कहा, "कभी-कभी, विशेषकर जब आप कप्तान होते हैं, तो मुझे लगता है कि आपको उदाहरण पेश करना होता है ।

मप्र में प्रमोशन में आरक्षण पर रोक

नए नियम लागू नहीं कर सकते यह पुराने नियमों की तरह : कोर्ट

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण पर फिलहाल रोक लगा दी है। सोमवार को पदोन्नति के नए नियमों को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पुराने नियम (2002) और नए नियम (2025) में क्या फर्क है? सरकार इसका कोई साफ जवाब नहीं दे पाई। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने कहा कि ऐसी स्थिति में नए नियमों को लागू नहीं किया जा सकता। अब अगली सुनवाई 15 जुलाई (मंगलवार) को होगी। तब तक सरकार नियमों का अंतर समझकर अदालत को बताए। संघ की ओर से अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है इसलिए सरकार नए नियमों के तहत फिलहाल प्रमोशन में आरक्षण नहीं दे सकती।

9 साल बाद बनी नई प्रमोशन पॉलिसी
राज्य सरकार ने जून 2025 में नई प्रमोशन नीति लागू की थी, जिसमें आरक्षण का प्रावधान जोड़ा गया था। इस नई नीति को सपाक्स संघ ने तीन अलग-अलग याचिकाओं के जरिए हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सुको में मामला लंबित, फिर नए नियम क्यों?

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस और जजों की बेंच ने सरकार से यह भी सवाल किया कि जब पदोन्नति का मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तो फिर सरकार ने नए नियम क्यों बनाए? राज्य सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल पेश हुए, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं कर सके कि 2002 और 2025 के नियमों में असली फर्क क्या है। उन्होंने कहा कि अभी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। कोर्ट ने कहा कि जब तक इस मामले में हाईकोर्ट कोई अंतिम फैसला नहीं देता, तब तक सरकार नए नियमों के आधार पर कोई भी पदोन्नति या संबंधित कार्रवाई नहीं करे।

याचिकाकर्ताओं का कहना- प्रमोशन में आरक्षण देने के नियम का कोई औचित्य नहीं

याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु का कहना है कि प्रमोशन में आरक्षण देने के नियम का कोई औचित्य नहीं है। यह नीति संविधान के खिलाफ है। उनका कहना है कि पहले हाईकोर्ट इस पर रोक लगाने (स्टे) को तैयार था, लेकिन महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) की ओर से दी गई अंडरटेकिंग में कहा गया कि सरकार फिलहाल नए नियमों के तहत प्रमोशन में आरक्षण लागू नहीं करेगी, लेकिन इसके लिए उन्हें थोड़ा समय दिया जाए।

रीवा: 80 मेडिकल छात्राएं बोलीं गंदा व्यवहार करते हैं डॉक्टर

- ईएनटी विभाग के डॉक्टर पर हरासमेंट का आरोप लगाया, काम बंद होने से अस्पताल प्रभावित

विजय मत, ब्यूरो रीवा

जिले के संजय गांधी अस्पताल में 80 छात्राओं ने ईएनटी विभाग के चिकित्सक पर हरासमेंट के आरोप लगाए हैं। कहा कि डॉक्टर उनसे गंदा व्यवहार करता है, इसलिए वह उधर काम नहीं करेंगीं। छात्राओं ने कोलकाता के आरजी कॉलेज में हुए कांड को देखते हुए ड्यूटी करना बंद भी कर दिया। डॉक्टर की प्राचार्य से लिखित शिकायत के बाद। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने भी छात्राओं की ड्यूटी वहां हटा दी, जिसकी पुष्टि डीन ने की। इधर स्टूडेंट्स के न पहुंचने से मरीजों के इलाज में समस्या आ रही है। शिकायत के बाद डीन ने जांच कमेटी गठित की है। 7 दिन में वह रिपोर्ट सौंपेगी।

नर्सिंग की 80 छात्राओं ने लिखित में कहा है कि डॉ अशरफ छात्राओं के साथ गंदा व्यवहार करते हैं। छात्राओं ने उनके व्यवहार और हाव भाव से खुद को असुरक्षित बताया है। पत्र में कहा है कि डॉ अशरफ का व्यवहार कई मर्तबा छात्र को मानसिक रूप से असहज, असुरक्षित और अपमानित करने वाला रहा है। छात्राओं ने शिकायत में कहा है कि उनका व्यवहार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने जैसा है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि डॉ अशरफ के व्यवहार के चलते क्लीनिकल लर्निंग वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। इसके बाद प्राचार्य ने डीन को पत्र लिखकर चिकित्सक की हरकतों से अवगत कराया। छात्राओं को असुरक्षित देखते हुए प्राचार्य ने डीन से इस मामले में उचित कार्यवाही की मांग की है।

डीन ने किया जांच दल गठित एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

प्राचार्य ने डीन को पत्र लिखा है। डीन ने मामले में तीन सदस्यीय जांच टीम बैठा दी है। माना जा रहा है की जांच कमेटी द्वारा अधिष्ठाता को दिए जाने वाले प्रतिवेदन के बाद चिकित्सक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि आरोप यह भी हैं उसी विभाग के लोगों को जांच सौंप दी गई है। इस मामले की जांच महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियमन 2013 के तहत गठित आंतरिक परिवाद समिति की टीम करेगी। इस टीम की पीठासीन अधिकारी नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ शशि जैन हैं, वह अपनी टीम के साथ मामले की जांच करेंगी। जांच करने के बाद डीन को एक सप्ताह में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। इस जांच टीम में आंतरिक परिवाद समिति की पीठासीन अधिकारी डॉ शशि जैन, सदस्य डॉ नीरा मराठे, पीएसएम, श्रीमती रीना पटेल स्टाफ नर्स और अशासकीय सदस्य के रूप में कमलेश सचदेवा खुशी फाउंडेशन शामिल हैं।

2047 तक मक्के का उत्पादन दोगुना कर 86 मिलियन टन से अधिक करना है लक्ष्य: शिवराज

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि कृषि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी नीति देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के साथ, किसानों की आमदनी को बढ़ाना और खेती को लाभकारी बनाना है।

फिक्की द्वारा आयोजित 11वें मक्का सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 90 के दशक में मक्के का उत्पादन 10 मिलियन टन था, जो बढ़कर लगभग 42.3 मिलियन टन तक पहुंच चुका है। वहीं, विकसित भारत के संकल्प के साथ मक्के का उत्पादन 2047 तक बढ़कर 86.10 मिलियन टन तक पहुंच सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में औसत मक्का उत्पादन 3.7 टन प्रति हेक्टेयर है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में मक्का उत्पादन राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है, जिसे समग्र रूप से अधिक बढ़ाए जाने की जरूरत है। मक्के के उत्पादन में नए रिकॉर्ड स्थापित करने वाले किसानों को सम्मानित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं इन किसानों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों से जोड़ने के लिए हमने 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के माध्यम से वैज्ञानिकों को किसानों के बीच भेजने के साथ लैब को लैंड से जोड़ने का काम किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस अभियान के तहत करीब 11 हजार वैज्ञानिक 60 हजार से ज्यादा गांवों में पहुंचे। हमने देखा कि उत्पादन खेत में बढ़ता है और वैज्ञानिक लैब में काम कर रहे हैं।

मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में क्यूबा, मलेशिया, वियतनाम, अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं

रियो डि जनेरियो/ नयी दिल्ली, एजेंसी

जुलाई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान क्यूबा, मलेशिया और वियतनाम के नेताओं के साथ अलग-अलग 'अच्छी बैठकें' कीं उनसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के सहयोग पर चर्चा की। श्री मोदी ने .इन बैठकों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बरमूडेज़ से मुलाकात के बाद कहा कि मुलाकात अच्छी रही। उन्होंने कहा, ÷इस बातचीत में हमने कई विषयों पर चर्चा की। आने वाले समय में हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों में बहुत वृद्धि की संभावना है। प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे क्षेत्र भी उतने ही आशाजनक हैं। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2023 में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डियाज-कैनेल से मुलाकात की थी, जहाँ क्यूबा विशेष आमंत्रित था। दोनों नेताओं ने आर्थिक सहयोग, विकास साझेदारी, फिनटेक, क्षमता निर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। डिजिटल क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रपति डियाज-कैनेल ने भारत के सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और यूपीआई में रुचि व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा कि क्यूबा में आयुर्वेद की बढ़ती स्वीकार्यता निश्चित रूप से एक बड़ी बात है। दोनों नेताओं ने आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा द्वारा आयुर्वेद को मान्यता दिए जाने की सराहना की और क्यूबा की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुर्वेद को एकीकृत करने के लिए समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने क्यूबा द्वारा भारतीय फार्माकोपिया को मान्यता दिए जाने का प्रस्ताव रखा, जिससे भारतीय जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित होगी।

आतंकी राणा एनआईए की पूछताछ में कबूला-

वह पाक आर्मी एजेंट, हेडली के साथ ट्रेनिंग सेशन किए

नई दिल्ली, एजेंसी

26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी तहव्वुर राणा मुंबई में था। यह बात उसने एनआईए की पूछताछ में कबूल की है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है। उसने बताया कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा एनआईए की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है।

पाक सेना में डॉक्टर रहा

64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया। कनाडा से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली।

बिहार के पूर्णिया में परिवार के पांच लोगों की हत्या, डायन बताकर पीट-पीटकर मार डाला

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या की गई है। रविवार रात से सभी लापता थे। सोमवार

शाम को सभी की बॉडी मिली है। लाशें घर से डेढ़ किलोमीटर दूर तालाब में मिलीं। जिन्हें जलाने के बाद अलग-अलग बोरों में भरकर जलकुंभियों के बीच छिपाया गया था। सभी शव 80 फीसदी से ज्यादा जल चुके हैं। मृतकों में बाबू लाल उरांव, उनकी पत्नी, मां, बहू और बेटा शामिल है। पुलिस के अनुसार, परिवार झाड़-फूंक करता था। 3 दिन पहले गांव में एक बच्चे की मौत हो गई। गांव वालों ने अंधविश्वास में इस हत्याकांड को अंजाम दिया। बाबूलाल के बेटे सोनू ने बताया कि मेरे सामने ही पूरे परिवार को मारा गया है। रविवार की रात 10 बजे अचानक 50 लोग घर पर आ गए और मेरी मां सीता देवी को डायन बताकर बांस के पीटने लगे।

तेजस्वी ने कहा- 9 जुलाई को बिहार बंद

2 गुजराती बिहारियों से वोटिंग राइट्स छीन रहे : लालू यादव

हम ईसी-सरकार के होश ठिकाने लाएंगे, बंद में राहुल भी रहेंगे

पटना, एजेंसी

बिहार चुनाव से पहले हो रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर सियासत गर्म है। विपक्ष ने 9 जुलाई को बिहार बंद बुलाया है। इसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने वोटर लिस्ट रिवीजन की प्रक्रिया को 'वोट बंदी' करार दिया है। इसे लेकर उन्होंने आज यानी सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

सहनी बोले- टीचर्स की ड्यूटी लगाई, स्कूलों में पढ़ाई ठप

मुकेश सहनी ने चुनाव आयोग से मतदाता पुनरीक्षण कार्य को रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। आज मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान बिहार के सभी स्कूलों का कार्य ठप है। सभी शिक्षकों को इस कार्य में लगाया गया है। वे सोशल साइटों पर किए जा रहे कमेंट्स को पढ़ें, उसे समझ में आ जाएगा कि बिहार की जनता सोच क्या रही है।

न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य, कार्रवाई जरूरी : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी

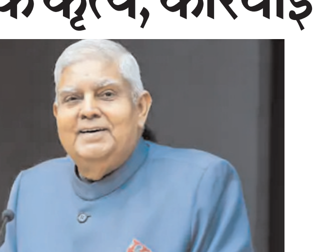

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरूद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा, ÷संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है, लेकिन यह समाधान नहीं है। हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और वास्तव में हैं भी। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है, जहाँ कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले से संबंधित न्यायाधीश का नाम लिए बिना कहा कि यदि धनराशि इतनी अधिक है तो कई सवाल उठते हैं।

विजय मत एंकर

तकनीक स्टार की मदद से गर्भवती होने का पहला मामला

एआई ने पुरुष के वीर्य में अदृश्य शुक्राणु खोज निकाले

वाशिंगटन, एजेंसी

विज्ञान और तकनीक ने फिर असंभव को संभव किया है। अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर (सीयूएफसी) में एक दुर्लभ मेडिकल केस में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक इसतरह के पुरुष के वीर्य में अदृश्य शुक्राणु खोज निकाले गए, जिसे डॉक्टरों ने वर्षों पहले अपूर्ण शुक्राणुता के कारण संतानोत्पत्ति में असमर्थ घोषित किया था। इस चमत्कारी खोज ने उस दंपती की जिंदगी बदल दी जो बीते 18 वर्षों से संतान के लिए संघर्ष कर रहे थे। दुनिया भर में यह पहला मामला है जिसमें महिला एआई तकनीक स्टार की मदद से गर्भवती हुई है। एजोस्पर्मिया एक गंभीर पुरुष प्रजनन समस्या है जिसमें पुरुष के वीर्य में कोई मापने योग्य शुक्राणु नहीं होता। आमतौर पर इसतरह के मामलों में आईवीएफ तकनीक भी असफल हो जाती है, क्योंकि निषेचन के लिए शुक्राणु ही नहीं मिलते। सीयूएफसी के वैज्ञानिकों ने इस केस मेंशुक्राणु ट्रैकिंग और रिकवरी (स्टार) नामक एक विशेष एआई-आधारित प्रणाली का उपयोग किया। यह तकनीक माइक्रोस्कोपिक स्तर पर शुक्राणुओं की गतिविधि का पता लगाने में सक्षम है, ऐसी गतिविधियाँ जिन्हें इंसानी आंखों से देख पाना असंभव होता है। इन्हीं शुक्राणुओं को प्रयोगशाला में पत्नी के अंडाणुओं के साथ मिलाकर आईवीएफ प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। यह महिला अब दुनिया की पहली महिला बन गई हैं जो एआई-आधारित स्टार तकनीक से गर्भवती हुई हैं। प्रजनन विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज भविष्य में लाखों उन दंपतियों के लिए आशा की किरण हो सकती है जो एजोस्पर्मिया जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

भारत में संभावनाएं

भारत जैसे देश, जहां बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ रही है, वहां इस तकनीक का प्रवेश एक गेम चेंजर साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि स्टार तकनीक भारत में पहुंचती है, तब लाखों असहाय दंपतियों को नया जीवन मिल सकता है।

कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

जाम के झाम से मुक्ति के हों पुख्ता इंतजाम

27 जून को इंदौर-देवास हाईवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गई। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वर्षीय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में फंस जाने से मौत हो गई। 7 जून दिल्ली से आए एक 62 वर्षीय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में फंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। 6 मई उप्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम फंसे रहने की वजह से उसे वक्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गई। 24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में समय सड़क निर्माण कार्य के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की ज़िंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगती है। ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था...कोई सोच भी नहीं सकता कि आज़ादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्क की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज़ 40 किलोमीटर है। मध्य प्रदेश के हाई कोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

सुशासन में सरे आम अपराधियों का तांडव

कुमार कृष्णन

अपने बिहार दौरे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस जंगलराज के बहाने महागठबंधन को घेरने की कोशिश की, वह उलट सावित हो रहा है। अब लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि सुशासन में सरे आम अपराधी तांडव कर रहे हैं, तो फिर जंगल राज क्या है? महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव पहले से ही अपराध बुलेटिन जारी कर सुशासन की पोल खोलकर सरकार के विरुद्ध गोलबंदी की मुहिम छेड़ दी है । ऐसे में गोपाल खेमका समेत कई व्यवसाई की हत्या के बाद नाराज वैश्य समाज सुशासन की सरकार के विरुद्ध खड़ा हो जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। व्यवसायी गोपाल खेमका के पहले गत जून माह में ही पुनपुन के सुहागी-कंडाप पथ पर बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी अंजनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना गौरीचक के कंडाप पैक्स गोदाम के पास की है, जहां सुनसान जगह का फायदा उठाकर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। मृतक हंडेर गांव के श्याम नंदन सिंह के पुत्र थे और जमीन के कारोबार से जुड़े थे। कारोबारी जयप्रकाश नारायण की भी गत वर्ष अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। आरोप यह था कि अपराधियों ने कारोबारी जयप्रकाश से 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं मिला तो उनकी हत्या कर दी गई।

बेगूसराय में अक्टूबर 2024 को सोना व्यापारी अनिल कुमार की अपहरण कर हत्या कर दी गई। अनिल कुमार ज्योति ज्वेलर्स के मालिक थे। जून 2024 में ही बिहार के नालंदा जिले के पनहेस्सा गांव के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें चार गोलियां मारी गयीं। इलाज के लिए ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान पनहेस्सा गांव निवासी 42 वर्षीय रजी अहमद उर्फ नन्हे के रूप में की गयी। इस हत्या का कारण भी जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार बताया गया।

इस घटना के बाद बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। नीतीश कुमार ने कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ें और उन्हें कड़ी सजा दें। 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से काम करने को कहा। एनडीए में नीतीश के सहयोगी चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) के खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होने कहा कि जिस तरह गोपाल खेमका की हत्या को अंजाम दिया गया। उससे लगने लगा है कि राज्य में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। बिहार में व्यापारी सुरक्षित नहीं है।

लोजपा (आर) के सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि खेमका परिवार में ये दूसरी हत्या है, इससे पहले 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन की हत्या भी इसी तरह की गई है। बिहार को आगे बढ़ाने की सोच रखने वाला वैश्य समाज भी सुरक्षित नहीं है। हाथ जोड़कर आग्रह करते हुए सांसद ने कहा कि सबसे पहले बिहार में व्यापारी वर्ग की सुरक्षा पुख्ता की जाए। अगर आप बिहार में उद्योग-धंधे लगाने की बात करते हैं। यही नहीं कानून व्यवस्था में सुधार के लिए पड़ोसी राज्य यूपी का हवाले देते हुए लोजपा (आर) के सांसद ने कहा कि यूपी से भी सीख सकते हैं कि कैसे लॉ एंड ऑर्डर को दुरूस्त किया जा सकता है। अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने का वक्त आ गया है। आज गोपाल खेमका नहीं तो कल कोई और होगा। बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त; चिराग के सांसद राजेश का नीतीश सरकार पर सीधा हमला विपक्षी पार्टियां सरकार पर हमला कर रही हैं। उनका कहना है कि बिहार में कानून का राज खत्म हो गया है। नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस घटना के बाद बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खेमका परिवार ने घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और स्थानीय थाने में फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट को फोन किया गया, जिन्होंने फोन उठाया। उन्हें बताया गया कि पुलिस जवाब नहीं दे रही है और उन्हें मदद की ज़रूरत है।

राजेश कुमार ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को फोन करने के तीन घंटे बाद पुलिस पहुंची। उन्होंने नीतीश कुमार के शासन को बीमार बताया और मांग की कि नीतीश कुमार और राजग गठबंधन को इस मुद्दे पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग की। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटना में थाने से कुछ ही कदम दूर, बिहार के एक प्रमुख व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई! उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन इसे जंगल राज क्यों नहीं कहा जा सकता? उन्होंने मीडिया मैनेजमेंट और परसेप्शन मैनेजमेंट पर भी सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन हम इसे जंगल राज नहीं कह सकते? क्योंकि यही तो शास्त्रों में मीडिया मैनेजमेंट, परसेप्शन मैनेजमेंट और इमेज मैनेजमेंट कहते हैं। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि लालू यादव के जंगल राज और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज का एक वर्ग महागठबंधन के साथ जा जुड़ा था। सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मगध हॉस्पिटल के मालिक और राज्य के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की 4 जुलाई, को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जहां हत्या हुई है, उस स्थल से गांधी मैदान थाने महज ढाई सौ मीटर की दूरी पर है। आसपास ही पुलिस अधीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास हैं। बावजूद इसके अपराधी हत्या कर चलते बने। हद तो ये है कि घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस डेढ़ घंटे बाद पहुंची।

बारिश का कहर : प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ज़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> 2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रहा है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई।

हम एक उंगली दूसरे पर उठाते हैं तो तीन उंगलियां हमारे ऊपर उठती है इस को रेखांकित करना जरूरी

किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि में खूबसूरत मानवीय जीव की रचना कर रचनाकर्ता नें उसमें गुण और अवगुण रूपी दो गुलदस्ते भी जोड़े हैं और उनका चयन करने के लिए 84 लाख योनियों में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि का सृजन मानवीय योनि में कर अपने भले बुरे सोचनें का हक उसी को दिया है,परंतु हम अपनीं जीवन यात्रा में देखते हैं कि मानवीय जीव अवगुण रूपी गुलदस्ते का चुनाव खुद कर उसमें ढल जाता है और अंत में दोष सृष्टि रचनाकर्ता को ही देता है कि मेरे जीवन को नरक बना दिया जबकि गलती मानवीय जीव की ही है कि उसने ही अपनी बुद्धि से उस अवगुण रूपी गुलदस्ते को चुना !मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहावत जब हम एक उंगली उठाते हैं, तो तीन उंगलियां हमारी ओर इशारा करती हैं अक्सर आत्म-चिंतन और जवाबदेही के विचार से जुड़ी होती है। यह वाक्यांश बताता है कि जब हम किसी और पर आरोप लगाते हैं या दोष देते हैं,तो हमको उस स्थिति में अपनी गलतियों या योगदानों पर भी विचार करना चाहिए।हालांकि इस कहावत की सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह विभिन्न सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में पाए जाने वाले विषयों को समाहित करती है।यह प्रक्षेपण के बारे में मनोविज्ञान की अवधारणाओं के साथ संरेखित है, जहां व्यक्ति अपने अवांछनीय गुणों या व्यवहारों को दूसरों पर आरोपित करते हैं। उंगलियों की छवि यह दर्शाती है कि आलोचना अक्सर आलोचना के विषय की तुलना में आलोचक के बारे में अधिक दर्शाती है।इस वाक्यांश की खूबसूरती यह है कि यह किसी और को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर करता है।यूं तो अवगुणों को सैकड़ों शब्दों, बुराइयों से पुकारा जाता है जिसमें आज हम निंदा बुराई, दूसरों पर उंगली उठाना इस अवगुण की चर्चा कर करेंगे आओ निंदा रूपी अवगुण त्यागने का संकल्प लें।हम खुद का आंकलन दूसरे से श्रेष्ठ करने की चूक से बचें स्वयं को छोटा कहलाने वाला व्यक्ति सबसे श्रेष्ठ गुणवान होता है। साथियों बात अगर हम निंदा की करें तो किसी ने खूब ही कहा है कि, संसार में प्रत्येक जीव की रचना ईश्वर अल्लाह ने किसी उद्देश्य से की है। हमें ईश्वर अल्लाह की किसी भी रचना का मखौल उड़ाने का अधिकार नहीं है।इसलिए किसी की निंदा करना साक्षात परमात्मा की निंदा करने के समान है।किसी की आलोचना से आप खुद के अहंकार को कुछ समय के लिए तो संतुष्ट कर सकते हैं किन्तु किसी की काबिलियत, नेकी, अच्छाई और सच्चाई की संपदा को नष्ट नहीं कर सकते।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8421

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8420 का हल

■	म	ह	क	■	ता	म	झा	म
ज	न	■	म	न	न	■	■	स
हा	■	प	र	■	ना	स	■	ख
न	ज	र	बं	द	■	दा	य	रा
■	न	■	द	■	ह	■	म	■
दा	म	न	■	न	क	ब	ज	न
वा	■	ल	क	■	ब	स	■	ती
न	■	■	मा	य	का	■	ता	जा
ल	ति	या	ना	■	ना	सू	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

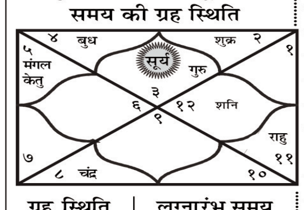

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.01 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	सिंह	08.17 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.29 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.55 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.11 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.16 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.02 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.35 बजे से
राहुकाल		मेष	00.06 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.46 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.44 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 189 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 03.15 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 22.17 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.58 बजे तदनन्तर तैतिल 00.39 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872399 **जूलियन दिन** 2460864.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 12 **विशेष** प्रदोष व्रत, जयापार्वती व्रत प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

यूज इन शॉर्ट

6 दिनों के भीतर पुलिस ने गुमशुदा को किया दस्तयाब, परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। जिले में चलाई जा रही गुमशुदा दस्तयाबी अभियान के अंतर्गत थाना रामनगर द्वारा गुमशुदा व्यक्ति को 6 दिनों के भीतर तलाश कर सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि 30 जून को फरियादी सीमा राठौर(परिवर्तित नाम), उम्र 35 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 6/6 खदान रोड द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उनके पति राजेश राठौर उम्र 40 वर्ष 28 जून से अपने घर से कहीं चले गए हैं और वापस नहीं लौटे। थाना में गुम इंसान कायम कर तलाश की गई तो मुखबिरों की सहायता से 6 जुलाई को गुमशुदा राजेश राठौर(परिवर्तित नाम) को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों को सौंपा गया।

हरियाली महोत्सव- पुलिस लाइन में कप्तान की अगुवाई में वृहद पौधारोपण अभियान

अनूपपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश में 1 से 7 जुलाई तक हरियाली महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सोमवार को अनूपपुर जिले के सभी थाना व चौकियों एवं जिला मुख्यालय स्तर पर पुलिस लाइन में वृहद पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी सहित यातायात, अजाक एवं महिला थाना में पदस्थ पुलिस अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी के द्वारा फलदार और छायादार पौधा रोपण किया गया , जिसमें आम, आवंला, जामुन, पीपल, करौंद, नींबू सहित अन्य औषधीय पौधे शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों व जवानों द्वारा लगभग 200 से अधिक पौधों को रोपित कर उनके पालन पोषण एवं वृक्ष बनने तक उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया।हरियाली में ही खुशहाली का छिपा है संदेश- पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान पुलिस कप्तान ने कहा जिस प्रकार से आज वनों की कटाई हो रही और ग्लोबलवार्मिंग का खतरा बढ़ता जा रहा है, हमें पर्यावरण बचाव में उससे अधिक पौधों का रोपण करना आवश्यक हो गया है, अगर पौधारोपण किया जाता है तो यहां ही हरियाली से खुशहाली का संदेश छिपा मिल जाएगा, क्योंकि जब पर्यावरण साफ सुथरा, हरी-भरी रहेगी तो पर्यावरण संतुलित और स्वच्छ बनेगी और मानव जीवन भी स्वस्थ्य और समृद्ध रहेगा।

कलेक्टर ने की अपील, रपटे या पुल, पुलिया पर बाढ़ का पानी हो तो पार न करें

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में लगातार हो रही बारिश और नदी नालों के उफान भरने की आशंका में कहा है कि वर्षा के दौरान सडक़ पर या किसी पुल-पुलिया में बाढ़ का पानी तेजी से आ रहा हो, तो नागरिक उसमें आने-जाने से बचें। जोखिम पूर्ण यात्रा करने से बचे। सजग रहें और सावधानी बरतें। उन्होंने कहा है कि ऐसे नाले, रपटे, छोटे-बड़े पुल-पुलिया जहां बारिश का जल तेजी से बहता है और दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां पर भी सुरक्षा की अतिरिक्त सावधानियां बरती जाएं। वर्षा के चलते किसी भी प्रकार के जान-माल की नुकसानी न होने पाए, हम सबका यही प्रयास होना चाहिए। कलेक्टर ने स्कूल, कॉलेज, कोचिंग जाने वाले विद्यार्थियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग जाते समय बेहद सावधानी बरतें। यदि कहीं भी पानी का भराव या पुल-पुलिया के पार पानी आता दिखाई दे तो वहां से आवागमन न करें।

दो मेडिकल स्टोर के निरीक्षण मे मिली कमियां, नोटिस जारी

अनूपपुर। मप्र शासन खाद्य एवं औषधि प्रशासन के दिशा निर्देश के पालन में जिला मुख्यालय अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 1 सामतपुर में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र तथा कोतमा विकासखंड के राजनगर स्थित श्रीराम मेडिकल स्टोर का निरीक्षण ड्रग इंस्पेक्टर अनूपपुर द्वारा किया गया। निरीक्षण में कई कमियां परिलक्षित हुई है, दस्तावेजो का भी संधारण नहीं पाया गया। संबंधितों को औषधि एवं प्रशासन सामग्री नियमावली 1945 के नियम 66 के अंतर्गत औषधि और अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी ।अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 07 जुलाई को सीधी जिले में 10.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 18.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 8.2 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 2.2 मि.मी., मझौली में 27.0 मि.मी. और कुसमी में 15.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने घंटों मशक्कत बाद ढूंढा शव, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

थोड़ी सी चूक...बह गई चार जिंदगी, सजहा नाला में बही कार

कलेक्टर ने पंचायतकर्मी और पटवारी के निलंबन का भेजा प्रस्ताव

विजय मत, अनूपपुर

जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश के उपरांत पहाड़ी क्षेत्र से निचले क्षेत्र में बन रहे पानी के बहाव में रविवार की रात जिला मुख्यालय अनूपपुर से 17 किलोमीटर दूर सजहा नाला पर तेज गति से बह रहे पानी के बहाव में एक कार बह गई, जिसमें सवार दम्पत्ति समेत दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में वार्ड क्रमांक 9 बाबा कॉलोनी निवासी अनूपपुर व एसईसीएल कॉलरी कर्मचारी 39 वर्षीय चंद्रशेखर सिंह यादव और जिला अस्पताल अनूपपुर में स्टाफ नर्स के रूप में सेवा दे रही 35 वर्षीय पत्नी प्रीति सिंह यादव सहित उनके दो बच्चे जिनमें 8 वर्षीय बेटा रियांश और डेढ़ वर्षीय बेटी शिवी यादव शामिल हैं। घटना रात के लगभग 7.30 बजे के आसपास घटी। घटना की सूचना पर तत्काल ही कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी, एसडीएम कमलेश पुरी, तहसीलदार सहित थाना प्रभारी कोतवाली व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची, जहां शवों की तलाश आरंभ करते हुए घंटे भर की मशक्कत में प्रीति यादव का शव बरामद किया। लेकिन तीन अन्य शवों को रेस्क्यू टीम रात के समय ढूंढ नहीं पाई। वहीं पुलिस ने महिला के शव को तत्काल जिला अस्पताल भेजवाते हुए सुरक्षित फीजर में रखवा दिया। पुनः सोमवार की सुबह प्रशासन के साथ रेस्क्यू टीम द्वारा शवों की खोजबीन आरंभ की, ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को दोपहर तक ढूंढ निकाला गया। फिलहाल पुलिस चारों शवों को लेकर जिला अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है। पंचनामा के साथ पीएम की कार्रवाई मंगलवार की जाएगी।

कई किलोमीटर दूर तक बहा शव, कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त

पुलिस की जानकारी के अनुसार अवढैरा, अकुआ पहाड़ी क्षेत्र में बारिश अधिक होने के कारण पानी का बहाव सजहा वेयरहाउस के पास सजहा नाला से हो रहा था, लेकिन माना जाता है कि पानी का बहाव इतना अधिक और तेज था कि पानी नाला उपर से बहाव भरने लगा। जिसमें अमरकंटक की ओर से कार में सवार होकर आ रहे चंद्रशेखर पूरा परिवार उस बहाव की चपेट में आ गया और देखते ही देखते पानी के बहाव में बह गया। लोगों का कहना था कि कार के आगे एक बस भी निकली, जहां चंद्रशेखर को लगा कि वह भी पीछे से नाला पार कर जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रेस्क्यू टीम ने रात के समय मृतिका प्रीति यादव का शव सकरा स्थित बकान नदी

से, चंद्रशेखर का शव थनाट्टा गांव समुदहा नदी से, बेटा रियांश का शव खम्हरिया गांव बकान नदी से और बेटी शिवि का शव खेरकुंडी गांव निदावन से बरामद किया जो घटना स्थल से 1-18 किलोमीटर के बीच माना गया है। जबकि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया इसे बकाननदी से बरामद किया गया है।

कलेक्टर ने पंचायतकर्मी और पटवारी के निलंबन का भेजा प्रस्ताव

वहीं कलेक्टर हर्षल पंचोली ने घटना को गंभीर मानते हुए मामले में पंचायत कर्मी और पटवारी की लापरवाही पर मामले में जिपं सीइओ से निलंबन की कार्रवाई करने प्रस्ताव भेजा है। जिसपर कल तक कार्रवाई संभव है। कलेक्टर ने बताया कि अगर समय रहते सुरक्षा व्यवस्था बना दी जाती और मुस्तैदी रहती तो घटना नहीं होती।

राज्यमंत्री के साथ पूर्व विधायक पहुंचे अस्पताल

दुखद घटना पर सोमवार की दोपहर मप्र शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अनूपपुर पूर्व विधायक एवं कोल विकास प्राधिकरण अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल सहित अन्य जिला अस्पताल पहुंचे, जहां मृतकों के प्रति शोक संवेदना प्रकट करते हुए परिजनों को स्वेच्छा अनुदान निधि से 25-25 हजार रुपए प्रदाय किए जाने की बात कही।

लोहारिन टोला में बहा 4 वर्षीय मासूम

राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत ग्राम लोहारिन टोला में रविवार को ही 4 वर्षीय मासूम के नदी में डूबने से मौत हो गई। जिसका शव अभी तक नहीं मिल सका है। एसडीआरएफ की टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई है। सोमवार को तेज बारिश होने के कारण सर्च ऑपरेशन बंद करना पड़ा। थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम एसपी शुक्ला ने बताया कि ग्राम लोहारिन टोला निवासी 4 वर्षीय जितेश पिता अशोक सिंह जो अपने चाचा के साथ बाइक पर बैठकर घूमने के लिए गया था, जहां लोहारिन नाला नदी के पास चाचा उसे वहां खेल रहे दो-तीन बच्चों के पास छोडक़र शौच करने के लिए चला गया। शौच करके जब वह वापस आया तो वहां उपस्थित बच्चों ने बताया कि जितेश ने नदी के पानी में छलांग लगा दी और डूब गया। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तथा पुलिस में एसडीआरएफ की टीम को इसकी सूचना दी मौके पर रविवार से ही मासूम की तलाश जारी है। एसडीआरएफ जिला कमांडेंट रामनरेश भवेदी ने आशंका जताई है कि लोहारिन नाला आगे जाकर जोहिला नदी में मिल जाता है, जिसके कारण जोहिला नदी में शव बह गया होगा।

कुपोषित बच्चों को नहीं मिल रहा समुचित उपचार

कागजों में दौड़ रहा कुपोषण मुक्त का रथ, केंद्रों का हाल बेहाल

विजय मत, सीधी

जिले में कुपोषित बच्चों को चिन्हांकन तो किया जा रहा है, लेकिन उन्हें पोषित करने आवश्यक कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। कुपोषित बच्चों को पोषित करने शासन स्तर से पोषण पुनर्वास केंद्रों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण पोषण पुनर्वास केंद्र के बेड खाली पड़े रहते हैं। जिला मुख्यालय सहित जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक-एक पोषण पुनर्वास केंद्र खोला गया है। जिला अस्पताल सीधी परिसर स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र 20 बेड का है, जबकि सीएचसी के केंद्र 10-10 बेड के हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कुल 80 बेड के पोषण पुनर्वास केंद्रों में वर्ष भर में 1920 कुपोषित बच्चों को भर्ती करने का लक्ष्य निर्धरित किया गया है, जिसके विरूद्ध माह अप्रेल 2024 से माह मार्च 2025 तक कुल 1263 कुपोषित बच्चे ही भर्ती कराये जा सके। जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण सुविधा के बावजूद कुपोषित बच्चे पोषण पुनर्वास केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, और केंद्रों के बेड खाली पड़े रहते हैं। बता दें कि जिले में पोषण पुनर्वास केंद्रों की संख्या 07 है, वहीं स्वीकृत बिस्तरों की संख्या 80 है जिसमें सबसे बेहतर स्थिति में मझौली और सबसे खराब स्थिति में पोषण पुनर्वास केन्द्र सेमरिया हैं।

अति कम वजन के 31, कम वजन के 211 बच्चे

महिला बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अति कम वजन के 31 व कम वजन के 211 बच्चे चिन्हित हैं। इन्हे पोषित करने के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने की आवश्यकता है। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि मैदानी अमले को इस संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिये गए हैं, लेकिन उनकी लाख समझाइस के बाद भी माता-पिता भर्ती कराने को तैयार नहीं होते। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिला अस्पताल सीधी के परिसर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों को भर्ती कराने का वार्षिक लक्ष्य- 1920 हैं
लक्ष्य के विरूद्ध वर्ष भर में भर्ती कराये गए कुपोषित बच्चे- 1263 हैं।

सेमरिया केंद्र हैं सबसे खराब

पोषण पुनर्वास केंद्रों में वर्ष भर में भर्ती कराये गए कुपोषित बच्चों के आंकड़े पर नजर दौड़ाएं तो सबसे बेहतर स्थिति मझौली की है, यहां 240 लक्ष्य के विरूद्ध 192 कुपोषित बच्चों को भर्ती कराया गया। जबकि सबसे खराब स्थित सेमरिया सीएचसी की रही, यहां 240 वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध महज 93 कुपोषित बच्चे ही भर्ती कराये गए। इसके अलावा जिला अस्पताल के एनआरसी में 480 वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध 326, रामपुर नैकिन में 240 के विरूद्ध 185, सिहावल में 240 के विरूद्ध 169 और कुसमी में 240 के विरूद्ध 130 कुपोषित बच्चों को भर्ती कराया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर के लिए डीएम ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

जुलूस व ध्वनि विस्तार यंत्र पर रोक लगाने 100 मीटर की परिधि पर लगा प्रतिबंधित

विजय मत, अनूपपुर

कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी हुई है। जिसे देखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के परिसर में ध्वनि विस्तार यंत्र पर रोक लगाने के लिए प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग उक्त परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेनगेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति/संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल/संगठन/ आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस/ आमसभा या नारेबाजी/ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिन पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेंगे और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे।

बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर का प्रशिक्षण 10, 11 एवं 12 जुलाई को

अनूपपुर। जिले के तीनों विधानसभाओं के बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर के प्रशिक्षण की समय-सारणी निधार्रित की गई है। समय-सारणी के अनुसार 86 कोतमा विधानसभा के बीएलओ का प्रशिक्षण 10 जुलाई को शासकीय मॉडल स्कूल कोतमा में, 87 अनूपपुर विधानसभा के बीएलओ का प्रशिक्षण 11 जुलाई को एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में तथा 88 पुष्पराजगढ़ विधानसभा के बीएलओ का प्रशिक्षण 12 जुलाई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौरा में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षल पंचोली ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर को निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं।

छः माह से डीजे प्लाजा का काम है बंद, भटक रहे व्यापारी

विजय मत, सीधी

शहर के डीजे प्लाजा में दुकान आवंटन के नाम पर झूंठा सपना दिखाकर पैसा ऐंठने का काम तो किया गया लेकिन हालात यह है कि छः माह से काम बंद कर दिया गया है। यहां तक कि जिन व्यापारियों द्वारा दुकान खरीदी के लिए पैसा दिया गया था उन्हें भी अब अपनी पूंजी फंसती नजर आ रही है। कुछ व्यापारियों द्वारा दुकान के लिए दिया गया पैसा वापस मांगना शुरू कर दिया गया हैं।

मालूम हो कि शहर के सम्राट चौक स्थित भव्य डीजे प्लाजा बनाने का सपना दिखाने के नाम पर काम तो शुरू किया गया लेकिन स्थिति यह रही कि काम पूरी तरह से ठप्प पड़ा हुआ है। जिस वजह से व्यापारी भी अब यह सोंचने के लिए मजबूर हैं कि हमारी पूंजी भी डूब जाएगी। उनकी जमा राशि का ब्याज कौन देगा। कब तक यह प्लाजा बनकर तैयार होगा। इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी तो चुप्पी साधे ही हैं साथ ही व्यापारियों के साथ छलावा करने का काम करने वाले संविदाकारों द्वारा भी चुप्पी साध ली गई है। एक निश्चित समय सीमा बीतने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कोई पहल नहीं कर रहे हैं जिस वजह से मनमानी का आलम बना हुआ है।

चार वर्ष बाद भी नहीं बन पाया कलेक्ट्रेट भवन

मिनी स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत कलेक्र्ट्रेट भवन का काम चार वर्ष पहले शुरू हुआ था लेकिन आज तक नहीं बन पाया है। भवन का ढांचा तो तैयार हुआ लेकिन आधा से अधिक काम अधूरा पड़ा हुआ है। जब कलेक्ट्रेट जैसा भवन बनाने में इतना समय लगा दिए तो डीजे प्लाजा का काम कब पूरा हो पाएगा यह विचारणीय प्रश्न है। यहीं वजह है कि अब व्यापारी भी वहां से कन्नी काटना शुरू कर दिए है। जिन्होने राशि दिए हैं वह राशि वापस मांगना शुरू कर दिए हैं। कलेक्ट्रेट भवन न बनने को लेकर भी काफी शिकायतें हैं लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

सत्ता का सहारा ले रहे संविदाकार

निर्धारित समय सीमा के भीतर डीजे प्लाजा का निर्माण न कर पाने के बाद अब संविदाकारों द्वारा सत्ता का सहयोग लिया जा रहा है।

प्रदर्शन पर्ची बांट खाद का वितरण भूला प्रबंधक, खेत बुवाई के लिए किसान परेशान, लगाया बाजार में उंची कीमत में खाद मिलने का आरोप

खाद नहीं मिलने से नाराज किसानों ने किया रीवा-अमरकंटक सडक़ जाम

विजय मत, अनूपपुर

मानसून की दस्तक और खरीफ की बुवाई को लेकर कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा कृषि उपसंचालक को पर्याप्त खादों के भंडारण और वितरण बनाने की व्यवस्था की दी गई हिदायत सोमवार को राजेन्द्रग्राम में मखौल बनाती दिखी। जहां गोदाम में खादों की कमी पाई गई और नाराज किसानों ने व्यवस्था के प्रति नाराजगी दिखाते हुए रीवा-अमरकंटक मार्ग के करौंदी तिराहे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए सडक़ जाम कर दिया।

यहीं नहीं किसानों ने आरोप लगाया कि गोदाम प्रबंधक तय कीमत से अधिक दामों पर खाद की बिक्री कर रहे हैं। किसानों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस मनाने की भरसक प्रयास की। लेकिन किसान तस से मस नहीं हुए, जिसके कारण घंटो तक मार्ग बाधित रही। बताया जाता है कि सोमवार को राजेन्द्रग्राम में खाद गोदाम में पिछले कई दिनों से खाद न होने के कारण किसान परेशान थे। खाद गोदाम के अधिकारियों-कर्मचारियों ने किसानों को एक सप्ताह पहले से ही खाद लेने के लिए पर्ची दे दी थी।

इस दौरान रोजाना सैकड़ों की संख्या में किसान सुबह से लाइन लगा कर खड़े हो जाते और वितरण की राह तकते। लेकिन शाम तक खाद न मिलने पर मायूस होकर घर वापसी कर जाते। इसी से परेशान होकर सोमवार को किसानों ने अमरकंटक रोड के करौंदी तिराहे में घंटों जाम लगा दिया। पुलिस प्रशासन और कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को समझा बुझाकर खाद गोदाम ले गए और गोदाम को खोलकर चेक किया गया तो गोदाम में खाद नहीं थी।

10 तारीख को वितरण का अश्वासन

गोदाम पर मौजूद प्रशासन व पुलिस अधिकारियों ने जब खाद के सम्बंध में अधिकारियों से बात की तो बताया गया कि 10 जुलाई को खाद उपलब्ध हो सकेगा। वहीं प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आरोप लगाया कि शासकीय गोदाम में शासकीय डीएपी खाद की कीमत 1300 रुपए है, वहीं निजी खाद बीज भंडारों में डीएपी खाद 1600 से 2000 रुपए की कीमत पर बेची जा रही है। इस समस्या से कृषि सीजन में किसानों को काफी परेशानी हो रही है और शासकीय गोदाम में उन्हें तारीख पर तारीख दी जा रही है। बताया जाता है कि करौंदी मोड़ पर लगभग 1 घंटे तक किसानों का यह आंदोलन चला रहा। वहीं अधिकारियों द्वारा 10 जुलाई को खाद वितरण का आश्वासन दिया गया तो किसान शांत होकर वापस लौटे।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैप्टन विक्रम बत्रा के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन विक्रम बत्रा जी के बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन बत्रा ने अदम्य साहस, शौर्य व पराक्रम का परिचय देते हुए मातृभूमि के सम्मान व स्वाभिमान की रक्षा कर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। कैप्टन बत्रा का जीवन युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

नगरीय निकायों में पार्षद के उप निर्वाचन के लिये हुआ 69.68 प्रतिशत मतदान

भोपाल। आठ नगरीय निकायों में आज एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन के लिये मतदान संपन्न हुआ। शाम 5 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 69.68 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 73.01 प्रतिशत पुरूष और 66.36 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को सुबह 9 बजे से होगी। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि भोपाल जिले के नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7 में 65.8, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11 में 57.1, इंदौर जिले के नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7 में 77.2 और गौतमपुरा के वार्ड 15 में 85.9, मंडला जिले के बिछिया के वार्ड 13 में 80.4, शहडोल जिले के खांड के वार्ड 8 में 63.5, छिंदवाड़ा जिले के न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में 82.6 और खरगोन जिले के नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में 68.1 प्रतिशत मतदान हुआ। पन्ना जिले के ककरहटी के वार्ड 13 में निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।

मंत्री कुशवाहा नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक में हुए शामिल

भोपाल। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 96वीं आमसभा बैठक में सम्मिलित हुए। भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम एम.ए.एस.सी. कॉम्पलेक्स के सभागार में आमसभा की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की। मंत्री कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश को उद्यानिकी राज्य में विकसित करने के लिये सरकार दृढ़ संकल्पित है। मध्यप्रदेश का मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुये भारत कृषि अनुसंधान परिषद का प्रदेश में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाये। इससे प्रदेश के कृषकों को मसाला फसलों की उन्नत प्रजातियां सुलभ एवं उचित दाम पर उपलब्ध हो सकेंगी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसाला उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। कृषकों की आय में वृद्धि, उद्यानिकी उत्पाद के मूल्य संवर्धन से प्र-संस्करण उद्योग को बढ़ावा, प्रदेश एवं देश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय के अध्ययन में सुविधायें प्राप्त होगी तथा प्रदेश के उद्यानिकी उत्पाद को निर्यात प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्री कुशवाहा ने कहा कि सब्जियों की संकर किस्मों के बीज बाजार में अधिक कीमतों में उपलब्ध हो पाते है। भारतीय कृषि अनुसंधान द्वारा उत्पादित संकर सब्जी बीजों को प्रदेश के कृषकों को सुलभ एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर बीज उत्पादन का कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जाए। इससे कम लागत और कम समय में किसान बेहतर उत्पादन कर सकेंगे। आम सभा की बैठक में अनुसंधान परिषद के कार्यों का लेखा-जोखा तथा भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर (PG) सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा।

11 को इंदौर में होगा मप्र ग्रोथ कॉन्क्लेव, देश के 1500 उद्योगपति आएंगे

नेक्स्ट होराइजनः बिल्डिंग सिटीज ऑफ टुमारो थीम पर होगा कॉन्क्लेव

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में रीयल एस्टेट की गतिविधियों के विस्तार के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। नेक्स्ट होराइजन- बिल्डिंग सिटीज़ ऑफ टुमारो थीम पर आधारित यह कॉन्क्लेव राज्य के शहरी विकास और निवेश के लिये नए क्षितिज खोलने का माध्यम बनेगा। %उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025% के अंतर्गत इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की नगरीय अधोसंरचना को भविष्योन्मुखी बनाना, सतत विकास को गति देना और व्यापक निवेश आकर्षित करना है।

प्रमुख आगामी अधोसंरचना विकास परियोजनाएँ... *मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना, स्मार्ट सिटी के तहत इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स, इंडस्ट्रियल टॉउनशिप्स, न्यू टॉउन डेवलपमेंट प्लान, नगरीय निकायों में आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स और स्ट्रीट वेंडिंग जोन, शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण जैसी परियोजनाएं चल रही हैं और कुछ भविष्य के लिए प्रस्तावित हैं।*

निवेश और विकास के प्रमुख क्षेत्र

प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

मध्यप्रदेश में निवेश इसलिये

मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिये यहां से आसानी से देश भर से लॉजिस्टिक संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में तेज गति से होता शहरीकरण, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में सशक्त इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है।

निवेश को साकार करने हेतु सुदृढ़ इको-सिस्टम

मध्यप्रदेश उद्योग विकास निगम उद्योगों को वन-स्टॉप सुविधा उपलब्ध करा रहा है। ई-नगर पालिका पोर्टल पर भी संबंधित सेवाएं रियल-टाइम ऑनलाइन उपलब्ध हैं। निवेश प्रोत्साहन के दृष्टिकोण से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है। निवेशकों के लिए स्पेशल पॉलिसी इंसेंटिव्स भी प्रारंभ किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश के अलावा विदेश के निवेशकों से भी सघन सम्पर्क स्थापित किये गये हैं। उक्त के दृष्टिगत अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय डेवलपर्स के साथ करार होने की बड़ी संभावनाएं भी हैं। मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव राज्य को नगरीय पुनर्निर्माण और वैश्विक निवेश के पथ पर अग्रसर करेगा।

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद की कार्यकारणी समिति की 7वीं बैठक संपन्न

पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाएं : पटेल

विजय मत, भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभाग द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत खेत तालाब, अमृत सरोवर, रीचार्ज पिट लक्ष्य से अधिक बनाये गये। अभियान में किये गये कार्यों के परिणाम आगामी वर्षों में परिलक्षित होंगे। मंत्री पटेल ने कहा कि बड़ी नदियों के अस्तित्व को बचाने के लिये छोटी नदियों के उद्गम स्रोतों का संरक्षण आवश्यक है। मंत्री पटेल सोमवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद कार्यकारणी की 7वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने के लिये विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य हमें सतत् जारी रखना है। भविष्य में पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाये। मंत्री पटेल ने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों से पौधरोपण एवं संरक्षण के लिये ÷मां की बगिया÷ योजना 15 अगस्त से लागू की जा रही है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन में महत्वपूर्ण कारक बनेगी। 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चिन्हित शासकीय भूमि पर एवं 15 अगस्त से 15 सितंबर पर निजी भूमि पर सघन पौधरोपण किया जायेगा। उन्होंने ÷जल गंगा संवर्धन÷ अभियान में सिपरी सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों का उपयोग करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे यह प्रयास निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

मंत्री पटेल ने कहा कि संविदा अधिकारियों-कर्मचारियों की नवीन सेवा शर्तों में आकस्मिक मृत्यु/दुर्घटना के समय सहायता राशि प्रदान करने के प्रावधानों का समावेश करें। इस संबंध में सामान्य प्रशासन एवं वित्त विभाग के नियमों का पालन किया जाए। आयुक्त मनरेगा, अविप्रसाद ने मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी कार्यकारणी परिषद की 6वीं बैठक का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में मनरेगा की भौतिक और वित्तीय प्रगति संविदा कर्मचारियों/अधिकारियों की नवीन सेवा शर्तों, ग्राम रोजगार सहायकों की सेवा शर्तों, विषय विशेषज्ञों की सेवाएं लेने, यंग प्रोफेशनल्स को संबद्ध करने, मनरेगा में ड्रोन तकनीक का उपयोग करने, भारत सरकार को भेजे गये प्रस्ताव आदि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्री पटेल ने कहा कि गौशालाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये स्वैच्छिक संस्थाओं (एनजीओ) स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाये। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत बनने वाली सड़कों की मरम्मत करने के लिये समय-सीमा तय की जाये। उन्होंने कहा कि ÷जल गंगा संवर्धन÷ अभियान के अंतर्गत किये गये कार्यों का प्रभाव आंकलन 3 वर्ष उपरांत कराया जाये। इसके लिये बेस डेटा एवं एजेंसी अभी से तय की जाये। उन्होंने कहा कि सिपरी सॉफ्टवेयर के उपयोग के संबंध में अन्य विभागों, संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं को सिपरी का एक्सेस उपलब्ध कराने के लिये विस्तृत नीति शीघ्र तय की जाये। मंत्री पटेल ने मनरेगा योजना अंतर्गत पदस्थ अमले के लिये विभिन्न प्रकार का बीमा लाभ, वित्तीय एवं प्रशासकीय अधिकारों का प्रत्यायोजन, जीआरएस के रिक्त पदों की पूर्ति, संविदा अधिकारी-कर्मचारी और जीआरएस की विदेश यात्रा संबंधित प्रकरणों आदि विषयों की समीक्षा की।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकताः शुक्ल

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में विभागीय अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में राज्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, 15वां वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर की जाए और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अप्रारंभ कार्यों की समयबद्ध शुरुआत सुनिश्चित की जाए तथा लंबित निविदाओं की प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि हर परियोजना की प्रोजेक्टवार समीक्षा की जाए और यह देखा जाए कि बजट के उपयोग में पारदर्शिता, समयबद्धता और उचित तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित हो।

तकनीकी मानव संसाधन की नियुक्ति शीघ्र हो

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विभाग में रिक्त पड़े तकनीकी पदों की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए तकनीकी मैन पावर की नियुक्ति अत्यावश्यक है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, परियोजना संचालक नीरज कुमार सिंह, एनएचएम की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, तथा विभागीय अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बताया गया कि अधोसंरचना विकास के 2949 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 1972 कार्य पूर्ण तथा 754 कार्य प्रगति पर हैं। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 335 कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन हुआ है। इन परियोजनाओं के लिए राशि रुपये 2483.37 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिसके विरुद्ध अब तक राशि रुपये 729.52 करोड़ का व्यय हो चुका है। भोपाल में सर्वाधिक 480 कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 306 कार्य पूर्ण हुए हैं एवं रुपये 121.10 करोड़ व्यय किया गया है। जबलपुर संभाग ने रुपये 147.69 करोड़ के व्यय के साथ सर्वाधिक वित्तीय प्रगति दर्ज की है।

विभागीय कार्यों को तय समयावधि में गुणवत्तापूर्वक करें पूर्णः कलेक्टर सिंह

विजय मत, भोपाल

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की। बैठक में एडीएम भूपेन्द्र गोयल, प्रकाश नायक, अंकुर मेश्राम, सभी एसडीएम एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर सिंह ने सभी विभागीय कार्यों को तय समयावधि में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही एवं ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी को अपने दायित्व का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करना होगा।

कलेक्टर सिंह ने खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि अमानक खाद एवं कालाबाजारी पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए, ताकि किसान हितों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कृषि संबंधी जानकारी लेते हुए मूंग दाल की खरीदी, धान एवं सोयाबीन की बोनी की प्रगति की समीक्षा भी की। कलेक्टर सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जर्जर भवनों, विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करें तथा सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक मरम्मत अथवा निष्कासन की कार्यवाही शीघ्र की जाए। साथ ही पुल-पुलियों एवं जल संरचनाओं पर जल निकासी की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे संभावित आपदाओं से पूर्व नियंत्रणात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें।

कलेक्टर सिंह ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम एवं जिला पंचायत को वृक्षारोपण के लक्ष्यों की पूर्ति युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-सहभागिता से संचालित एक हरित क्रांति है।

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

भोपाल। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिलनी शुरू हो गई है। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 3 लाख, 3 हजार 305 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में एक लाख, 62 हजार 320 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है।

सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

- नोडल शिक्षक की मदद से सभी विद्यार्थियों के करियर डायरी और फोल्डर होंगे तैयार

विजय मत, भोपाल

प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये। विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस के तहत किसी एक डोमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है।

विजय मत एंकर

15 अगस्त से "एक बगिया माँ के नाम" अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण

प्रदेश में पहली बार पौधरोपण के लिए अत्याधुनिक तकनीक का किया जाएगा उपयोग

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत एक बगिया मां के नामपरियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं। एक बगिया मां के नामपरियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन एक बगिया मां के नामऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है।

न्यूनतम आधा एकड़ अधिकतम 1 एकड़ जमीन होना अनिवार्य... *एक बगिया मां के नामपरियोजना का लाभ लेने के लिए चयनित हुई समूह की महिला के पास बगिया लगाने के लिए भूमि भी निर्धारित की गई है। चयनित महिला के पास न्यूनतम आधा एकड़ या अधिकतम एक एकड़ जमीन होना अनिवार्य है।*

30 हजार से अधिक महिलाओं को मिलेगा लाभ

एक बगिया माँ के नाम" परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक?की का आधार बनेंगे। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्?ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

सॉफ्टवेयर बताएगा किस प्रजाति के पौधे के लिए है जमीन उपयोगी

एक बगिया माँ के नाम" परियोजना अंतर्गत पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर से भूमि का परीक्षण किया जाएगा। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयुक्त है। पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा। सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का स्त्रोत कहां उपलब्ध है। जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

आज अशोकनगर पहुंचेगी कांग्रेस, पटवारी बोले-

होटल नहीं मिले तो सड़कों पर रुकेंगे, ये गिरफ्तारी नहीं संदेश

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर दर्ज हुई एफआईआर को लेकर कल मंगलवार 8 जुलाई को कांग्रेस का अशोकनगर में जेल भरो आंदोलन होगा। आंदोलन के एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मामले में कार्रवाई नहीं हुई मुझ पर एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस नेताओं को ठहरने के लिए होटल नहीं मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम जाएंगे भले ही हमको वहां सड़कों पर रुकना पड़े।

लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ेंगे

एफआईआर एक नहीं, 100 कर दें, इससे पहले भी कई की हैं। मामले में पुलिस अपना धर्म नहीं निभा रही है, पुलिस की इस हरकत के खिलाफ हम अशोकनगर जा रहे हैं। सड़क पर, कार्यकर्ताओं के घर पर रुकेंगे, जहां वो रोकेंगे हम रहेंगे। ये गिरफ्तारी नहीं, संदेश है, एक कदम पीछे नहीं हटेंगे। जब जब आप अत्याचार करोगे, हम लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ेंगे।

अशोकनगर न्याय सत्याग्रह

नेता प्रतिपक्ष उनमंग सिंघार ने कहा कि 8 जुलाई को अशोकनगर में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता स्वेच्छा से गिरफ्तारी देंगे। कांग्रेस पार्टी अपने हर कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम जनहित के मुद्दों से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

जहां दलितों पर अत्याचार होता वहां कांग्रेस होगी

पटवारी ने कहा कि अशोकनगर की सड़कों पर कांग्रेस रुकेगी। एसटी-एससी और ओबीसी पर अत्याचार होगा वहां कांग्रेस होगी, जहां प्रशासनिक अराजकता होगा, वहां वहां कांग्रेस भी पहुंचेगी। जहां सरकार का ध्यान आकर्षित करना होगा, कांग्रेस अपना धर्म निभाएगी। अशोकनगर में पीड़ित को न्याय दिलाने की बजाय मेरे खिलाफ एफआईआर कर दी।

ऊंचे सीवर चेम्बर और बदहाल सड़कें बनीं जानलेवा, नपा की अनदेखी से बढ़ रहा खतरा

शहडोल में सड़कों पर मौत के गड्ढे, मुख्य मार्गों पर हादसों को न्यौता दे रहे गड्ढे

विजय मत, शहडोल।

शहर की प्रमुख सड़कों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। जयस्तंभ चौक से गांधी चौक के बीच लगभग 15 से अधिक स्थानों पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं। यह मार्ग नगर का सबसे व्यस्त और प्रमुख रास्ता है, लेकिन नगर पालिका द्वारा इन खतरनाक गड्ढों की अनदेखी वाहन चालकों की जान पर भारी पड़ रही है। बारिश के मौसम में ये गड्ढे जलभराव से छिप जाते हैं, जिससे दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

ऊंचे चेम्बर बन रहे जानलेवा स्पीड ब्रेकर

नगर में सीवर लाइन बिछाने के दौरान बनाए गए चेम्बरों की ऊंचाई सड़क से अधिक हो चुकी है। इन चेम्बरों से दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ गया है। कई चेम्बर क्षतिग्रस्त भी हैं, जो कि दिन-रात एक नई दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। स्थानीय नागरिकों ने कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन नगर पालिका और सीवर निर्माण कंपनी की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

चेम्बर केवल अव्यवस्था नहीं, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता

शहडोल की सड़कों पर बने गड्ढे और ऊंचे सीवर चेम्बर केवल अव्यवस्था नहीं, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता का जीवंत प्रमाण हैं। यदि शीघ्र ही मरम्मत और सुधार की कार्रवाई नहीं की गई, तो ये समस्याएं बड़े हादसों में तब्दील हो सकती हैं। अब समय है कि नगर पालिका जिम्मेदारी ले और शहरवासियों को सुरक्षित और समतल सड़कें उपलब्ध कराए।

मॉडल रोड का मॉडल खत्म, बचा सिर्फ मलबा

पांडवनगर की बहुप्रचारित 'मॉडल रोड' की हालत भी किसी टूटी-फूटी सड़क से कम नहीं। राजेन्द्र टॉकीज से कन्या महाविद्यालय के बीच बनी इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। पॉलिटेक्निक ग्राउंड के पास गहरा गड्ढा दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है, जबकि सरस्वती स्कूल और रिलायंस मार्ट के सामने की पूरी सड़क उखड़ चुकी है। यहां पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं।

नपा और ठेकेदार के बीच फंसी जनता की सुरक्षा

नगर की वर्तमान स्थिति से यह स्पष्ट है कि सीवर प्रोजेक्ट और रोड रेस्टोरेशन कार्य बिना समन्वय और गुणवत्ता निरीक्षण के किए गए हैं। सड़क दबने से चेम्बरों की ऊंचाई बढ़ गई है और जिम्मेदार एजेंसियां एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में व्यस्त हैं। शहर की जनता हादसों के डर में जी रही है, लेकिन नपा की नींद अब तक नहीं टूटी।

जनता त्रस्त, प्रशासन मस्त

हर दिन स्कूल जाते बच्चों, नौकरी पर जाने वाले युवाओं और बुजुर्ग नागरिकों को सड़कों की बदहाली से जूझना पड़ रहा है। पैदल चलना मुश्किल, वाहन चलाना जोखिम भरा फिर भी नगर पालिका की चुप्पी बताती है कि जनसुरक्षा उनकी प्राथमिकता में नहीं है।

भाजपा राज मे भ्रष्टाचार, अधिकारियों को चाहिए नया बंगला और बड़ी कार

शहडोल। जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने कहा है कि, भाजपा राज मे भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा को पार कर चुका है।जिसका एक प्रत्यक्ष बड़ा उदाहरण सरकारी स्कूलों मे मरम्मत के नाम पर लाखों का घोटाला है, जहाँ फर्जी बिल लगा कर लाखों की राशि आहरित कर ली गई। जो पैसा बच्चों की सुविधाओं के लिए उनके भविष्य निर्माण के लिए उपयोग किया जाना था उसका फर्जी कार्य दिखा कर लाखों रुपए का बंदरबांट कर लिया गया।जिलाध्यक्ष ने कहा कि, जिले की समस्त स्कूलों की जांच कराई जाए और ऐसे भ्रष्टाचारी जो छात्रों के सुविधाओं का पैसा हड़प कर जाते हैं, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके खिलाफ एक विशेष जांच टीम बना कर जांच कराई जाए व उनसे न सिर्फ वसूली की जाए बल्की सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।सुभाष गुप्ता ने कहा कि, जिले के बड़े व जिम्मेदार अधिकारी अपनी मनमर्जी चला रहे हैं, इन्हें बड़े बड़े नए बंगले चाहिए लेकिन इनकी नाक के नीचे हो रहे भ्रष्टाचार की इन्हें कोई परवाह नहीं है।उक्त जानकारी जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने प्रदान की।

मुकेश अबिद्रा का हुआ व्यौहारी अनुविभागीय पुलिस अधिकारी के पद पर स्थानांतरण

धनपुरी। मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग के द्वारा जारी किए गए डीएसपी रैंक के अधिकारियों के स्थानांतरण में डिंडोरी जिले में पदस्थ अनुविभागी पुलिस अधिकारी मुकेश अबिद्रा का व्यौहारी अनुविभागीय पुलिस अधिकारी के पद पर स्थानांतरण हुआ है। श्री अबिद्रा 2011 में धनपुरी नगर निरीक्षक के पद पर पदस्थ थे जो की काफी मिलनसार होने के साथ-साथ तेज तर्रार पुलिस अधिकारी माने जाते थे उनके समय पर धनपुरी थाना क्षेत्र में अपराधों पर पूरी तरह से अंकुश लगा हुआ था और उनके कार्य प्रणाली की हर कोई सराहना करता था पिछले कुछ समय से वह डिंडोरी जिले में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी के पद पर पदस्थ थे अब उनका स्थानांतरण व्यवहारी के लिए हुआ है।
देखा जाए तो कानून व्यवस्था को लेकर वह काफी सक्रिय देखे जाते हैं और कहीं ना कहीं उनके यहां पर पदस्थ होने से कानून व्यवस्था और मजबूत होगी।

लगातार हो रही बरसात को देखते हुए महाप्रबंधक कोयला खदानों का कर रहे निरीक्षण

धनपुरी। जिस तरह से पिछले तीन दिनों से तेज बारिश हो रही है उसके साथ-साथ अब लगातार समस्याएं बढ़ रही हैं और यही कारण है कि इस बारिश का असर कोयला खदानों में सबसे अधिक देखने को मिल रहा है यही कारण है कि एसईसीएल सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव बारिश होने के बाद भी कोयला खदानों का निरीक्षण कर रहे हैं वहां की स्थिति को देख रहे हैं और मौके पर अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की बात कह रहे हैं बारिश के कारण ओपन कास्ट खदानों में सीधा असर कोयला उत्पादन पर पड़ा है महा प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव ने खदानों में जल भराव ना हो इसे देखते हुए सभी उपाय करने के निर्देश अधिकारियों को दे रहे हैं इसके साथ-साथ वह सुरक्षा के साथ कोयला उत्पादन करने की बात भी कह रहे हैं। ज्ञात हो कि पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है बारिश के कारण ओपन कास्ट खदानों में उत्पादन प्रभावित होता हुआ देखा जा रहा है यही कारण है कि व्यवस्थाओं को जल्द ठीक करने को लेकर एरिया महाप्रबंधक लगातार खदानों का निरीक्षण कर रहे हैं मौके पर मौजूद रहकर जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए जा रहे हैं इतना ही नहीं जहां पर भी समस्याएं नजर आ रही है उसे तत्काल दूर करने की दिशा में भी प्रबंधन की ओर से कार्यवाही की जा रही है दूसरी तरफ महाप्रबंधक ने इस बात को भी कहा है की सुरक्षा के साथ कोयला उत्पादन करना ही प्राथमिकता में हो और खदान में व्यवस्थाएं बेहतर से बेहतर हो इसे लेकर सभी प्रयास किए जाएं। दूसरी तरफ एरिया महाप्रबंधक ने श्रमिक कॉलोनी की भी लगातार आ रही समस्या पर सिविल विभाग को निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां पर भी समस्याएं आ रही हैं तत्काल उसे दूर करें साफ सफाई व्यवस्था श्रमिक कॉलोनी में बेहतर बनाया जाए ।

72 घंटे में हुई बरसात से सड़कें हुई जलमग्न

कोयला खदान में पड़ा उत्पादन पर असर पूरे दिन सड़कों पर पसरा रहा सन्नाटा

विजय मत, धनपुरी।

पिछले 72 घंटे से झमाझम बारिश से जहां मौसम में ठंडक आ गई तो वहीं दूसरी तरफ शहर जलमग्न हो गया सड़कों पर कई जगह जलभराव की स्थिति देखने को मिली तो लगातार हो रही बारिश से लोगों की परेशानियां भी बढ़ गई लगातार बारिश से सबसे ज्यादा असर ओपन कास्ट खदानों में देखने को मिला जहां पर इसका सीधा असर कोयला उत्पादन पर पड़ा वहीं दूसरी तरफ 72 घंटे से हो रही बारिश के कारण ही आज सुबह से ही सड़कों पर पूरी तरह से सन्नाटा पसरा रहा लोग घरों पर ही रहकर बारिश का आनंद उठा रहे थे पिछले 1 सप्ताह से बारिश ना होने के कारण उमस भरी गर्मी भी बढ़ गई थी लेकिन लगातार 72 घंटे से हो रही बरसात के कारण मौसम में पूरी तरह ठंडक आ गई नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत लगातार हो रही बरसात से समस्याएं इतनी अधिक नजर नहीं आई लेकिन श्रमिक कालोनियों में लगातार हो रही बरसात के कारण समस्याएं भी खुलकर सामने नजर आने लगी ।

कालोनियों की जर्जर सड़कें जहां लोगों की समस्याओं को बढ़ा रहा था दूसरी तरफ साफ सफाई व्यवस्था ना होने से भी लगातार बारिश होने के बाद समस्या में और बढ़ोतरी देखने को मिली वैसे भी सिविल विभाग की उदासीनता के कारण कालोनियों में समस्याएं साफ तौर पर देखी जा सकती है जहां पर निवासरत कर्मचारी सबसे अधिक परेशान देखे जा रहे हैं समय रहते अगर समस्याओं के समाधान को लेकर प्रयास किया गया होगा इस बारिश में नागरिकों को अधिक परेशानी उठानी पड़ती।

वहीं दूसरी तरफ लगातार बरसात के बाद ओपन कास्ट खदानों में कोयले के उत्पादन में थोड़ा असर देखने को मिला लेकिन यहां की सड़कों की वजह से कर्मचारियों को सबसे अधिक परेशान होना पड़ा खदान की सड़कों का क्या हाल है यह देखा जा सकता है इतना ही नहीं पूरे सड़क पर कीचड़ हो जाने से इसका सीधा असर आवागमन पर देखने को मिल रहा था दूसरी तरफ अगर समय रहते इन समस्याओं का समाधान किया गया होता तो आज हालात ऐसे नजर ना आते श्रमिक कालोनियों में भी करोड़ों रुपए खर्च करके डिसेंट हाउस के काम कराए गए थे इस बारिश में समस्याएं यहां पर भी जमकर देखने को मिली कई जगह छतो से पानी टपक रहा था तो कहीं पर इससे भी अधिक परेशानी देखने को मिल रही थी अगर बरसात इसी तरह लगातार होती रही तो आने वाले दिनों में कालोनियों में और भी समस्याएं देखने को मिलेगी।

12 जुलाई को भव्य शोभा यात्रा के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम

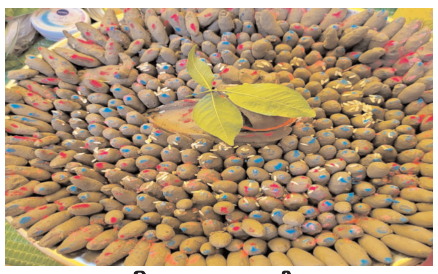

विजय मत, धनपुरी।

12जुलाई 2025 से सावन के महीने पर संकल्प सेवा समिति के द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हजारों की संख्या में प्रतिदिन सुप्रसिद्ध राधा कृष्ण मंदिर में भक्ति पहुंचते हैं और पार्थिव शिवलिंग का निर्माण करते हैं यह धार्मिक आयोजन जिस तरह आयोजित किया गया है उसकी पूरे संभाग में चर्चा है दूर-दूर से भक्त इस आयोजन में शामिल होते हैं और इस वर्ष भी इस धार्मिक आयोजन को लेकर सावन में धार्मिक आयोजन होंगे जिसकी तैयारियां भी शुरू हो गई है। संकल्प सेवा समिति के तत्वाधान में इस पूरे धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होता है 12 जुलाई से लेकर 22 जुलाई तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण सुबह 9ः00 बजे से 12ः00 तक किया जाएगा जबकि शाम 4ः00 बजे से 7ः00 तक शिव महापुराण पर मंगल प्रवचन आयोजित होगा जिसमें पूज्या देवी आंचल शुक्ला आचार्य का आगमन भी हो रहा है और शिव महापुराण पर मंगल प्रवचन को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी गई है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर उत्साह अभी से भक्तों में देखा जा रहा है संकल्प सेवा समिति भी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अभी से तैयारी भी शुरू कर दी है 12 जुलाई को दोपहर 3ः00 बजे श्री राधा कृष्ण मंदिर से मुख चौराहे होते हुए ज्वालामुखी मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी और वह वापस श्री राधा कृष्ण मंदिर में आकर समाप्त होगी शोभा यात्रा पिछले वर्ष भी जब निकाली गई थी तो पूरा शहर इसमें शामिल हुआ था हजारों की संख्या में भक्त शोभायात्रा में चल रहे थे और जगह-जगह शोभा यात्रा का स्वागत भी किया जा रहा था वही 13 जुलाई से ही सुबह 9ः00 बजे से 12ः00 बजे तक पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे।

भव्य निकाली जाएगी इस वर्ष कावड़ यात्रा - 19 जुलाई को ज्वालामुखी मंदिर से विशाल कावड़ यात्रा निकाली जाएगी और इसकी भी तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है इस वर्ष कावड़ यात्रा को लेकर संकल्प सेवा समिति विशेष तैयारी कर रही है और समिति का यह प्रयास है की कावड़ यात्रा में अधिक से अधिक लोग शामिल हो और इसे सफल बनाएं कावड़ यात्रा 19 जुलाई को सुबह 11ः00 बजे मां ज्वालामुखी मंदिर से निकलते हुए राधा कृष्ण मंदिर आएगी जहां पर कावड़ यात्रा में शामिल भक्तों का स्वागत किया जाएगा। सावन के महीने में इस बार भी जहां एक तरफ सुप्रसिद्ध राधा किस मंदिर में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भक्तों के द्वारा किया जाएगा तो वहीं दूसरी तरफ प्रतिदिन यहां पर शिव महापुराण पर मंगल प्रवचन होगा और 15 जुलाई को शाम 6ः00 बजे दुर्गा मढिया मंदिर से भोले बाबा की बारात निकाली जाएगी और इसे लेकर संकल्प सेवा समिति के द्वारा तैयारी भी कई दिनों पहले से शुरू कर दी गई है पिछले वर्ष भी जब भोले बाबा की बारात निकाली गई थी तो इसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए थे यह पहला ऐसा अवसर था जब सावन के महीने में धनपुरी शहर के अंदर इतने बड़े धार्मिक आयोजन को किया गया था।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

शहडोल। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य मेघा पवार की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संपन्न हुई। मेघा पवार ने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय एवं सहयोग से कार्य करते हुए बेहतर परिणाम दें। उन्होंने कहा कि पास्को एक्ट से पीड़ित बच्चियों की सहायता के लिए सिंगल विंडो परीक्षण व्यवस्था जिला अस्पताल में की जाए। आपने कहा कि कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु जिले में संचालित एनआरसी तथा एसएनसीयू में कोई भी बेड खाली नहीं रहें। चिन्हित बच्चों को उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
बच्चों को नशे की प्रवृत्ति से बचाने हेतु ऐसे स्थल जहां लोग इकट्ठे होकर नशा करते हैं। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए तथा पुलिस गस्त की व्यवस्था की जाए। शैक्षणिक संस्थाओं के आस-पास नशीले पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाई जाए। शालाओं में बच्चों को दिए जाने वाला मध्यान्ह भोजन गुणवत्तायुक्त हो तथा पर्याप्त मात्रा में भोजन बच्चों को दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

एस ई सी एल प्रबंधन हठधर्मिता से बाज आयेः नाथूलाल पाण्डेय

विजय मत, धनपुरी।

एस ई सी एल कंपनी मुख्यालय द्वारा सामान्य लिपिक के 536 पद पर पदोन्नति चयन हेतु अधिसूचना क्रमांक 631 दिनांक 10 जून 2025 को जारी कर विभागीय कर्मचारियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए। उक्त अधिसूचना में कंपनी में 31मई 2025 को न्यूनतम तीन वर्ष की सेवा अवधि रखी गई है। विभागीय कर्मचारियों के लिये पदोन्नति हेतु कोल इंडिया द्वारा जारी क्रियान्वयन आदेश संख्या 34 दिनांक 17 जुलाई 1984 को जारी कैडर स्कीम में कंपनी में न्यूनतम तीन वर्ष की सेवा अवधि रखी गई है। लेकिन बाद में कोल इंडिया द्वारा जारी क्रियान्वयन आदेश संख्या 29 दिनांक 27 सितंबर 1991 के माध्यम से जमीन खोने वाले एवं आश्रित योजना के अंतर्गत नियुक्ति पाने वालों के लिये सीधे क्लर्क ग्रेड तीन ट्रेनी के पद पर सीधे नियुक्ति पत्र जारी करने का नियम लागू किया गया। इससे स्पष्ट है कि जमीन खोने वालों एवं आश्रित योजना के अंतर्गत नियुक्ति पाने वालों के ऊपर तीन वर्ष की सेवा अवधि का नियम लागू नहीं होता है।

उक्त संबंध में केन्द्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं सोहागपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय जे सी सी सदस्य एस एन मिश्रा द्वारा केन्द्रीय महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय जी को अवगत कराया गया जिस पर पाण्डेय जी द्वारा तत्काल एस ई सी एल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं निदेशक मानव संसाधन को पत्र क्रमांक 87 दिनांक 14 जून 2025 को लिखकर मांग की गयी कि जमीन खोने वालों एवं आश्रित के बदले नियुक्ति पाने वाले कामगारों को बिना किसी लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के सीधे सामान्य लिपिक ग्रेड तीन ट्रेनी के पद पर पदोन्नति की जाये तथा शेष बचे हुये पदों अन्य कर्मचारियों की पदोन्नति की जाये। इसके बाद भी कंपनी मुख्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। पाण्डेय जी द्वारा 5 जुलाई को कंपनी मुख्यालय में आयोजित संचालन समिति की बैठक में भी उक्ताशय संबंधी मांग रखी गई लेकिन प्रबंधन द्वारा तीन वर्ष की सेवा अवधि में कमी करने से साफ मना कर दिया। इससे स्पष्ट है कि प्रबंधन द्वारा क्रियान्वयन आदेश संख्या 29 का उल्लंघन करने के कारण उच्च शिक्षित सैकड़ों युवा कर्मचारी लिपिक पद पर पदोन्नति संबधी परीक्षा से वंचित हो जाएंगे।

श्री पाण्डेय जी द्वारा एस ई सी एल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं निदेशक मानव संसाधन से पुनर्विचार की मांग की है।

विडंबना

शहडोल में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस से बचत- आदेश के बावजूद पालन नहीं, विभागीय भिन्नता बनी बाधा

शहडोल जिले में शिक्षा व्यवस्था दो विभागों के अधीन

विजय मत, शहडोल।

जिला जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण यहां की शिक्षा व्यवस्था दो विभागों के अधीन चलती है। जिले के चार ब्लॉक गोहपारू, जयसिंहनगर, बुढार और सोहागपुर जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित हैं। वहीं, केवल ब्यौहारी ब्लॉक ही शिक्षा विभाग के अधीन है। इस कारण दोनों विभागों में अलग-अलग आदेश और कार्यप्रणाली लागू होती है।

ई-अटेंडेंस का आदेश केवल शिक्षा विभाग में लागू

हाल ही में शिक्षा विभाग की ओर से ई-अटेंडेंस लगाने का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत शिक्षकों को मोबाइल एप %शिक्षक एप% के माध्यम से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करनी है। यह आदेश केवल शिक्षा विभाग के अधीन कार्यरत शिक्षकों के लिए है। इसलिए यह निर्देश केवल ब्यौहारी ब्लॉक के शिक्षकों पर लागू होता है।

जनजातीय विभाग के शिक्षकों को राहत

जनजातीय कार्य विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि उनके विभाग में अभी तक ई-अटेंडेंस संबंधी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। लिहाजा, इन ब्लॉकों में कार्यरत 5000 से अधिक शिक्षक पुराने ढर्रे पर ही उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। इस वजह से उन्हें किसी तकनीकी झंझट का सामना नहीं करना पड़ रहा है और वे पहले की तरह मैनुअल हाजिरी प्रणाली से ही काम कर रहे हैं।

ब्यौहारी ब्लॉक में आदेश का पालन नहीं

ब्यौहारी ब्लॉक में लगभग 600 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनके लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने भोपाल से प्राप्त निर्देशों के तहत ई-अटेंडेंस अनिवार्य किया है। लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अलग हैं। अभी तक एक भी शिक्षक इस आदेश का पालन नहीं कर रहा है। ब्यौहारी जिला मुख्यालय से 89 किलोमीटर दूर स्थित है और विभागीय अधिकारी नियमित निरीक्षण नहीं कर पाते, जिससे शिक्षक अपनी मनमर्जी से स्कूल आ-जा रहे हैं।

शिक्षा विभाग के आदेश पर नाराजगी

ई-अटेंडेंस लागू न होने से जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों को राहत तो मिली है, लेकिन शिक्षा विभाग के शिक्षकों में इस व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि जब जिले में एक जैसी परिस्थिति है, तो सभी शिक्षकों पर एक समान नियम लागू होने चाहिए। केवल एक ब्लॉक में सख्ती से आदेश लागू करना अन्यायपूर्ण है।

महाप्रबंधक ने संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक में हड़ताल में भाग न लेने की श्रम संगठनों से अपील

विजय मत, धनपुरी।

9 जुलाई को श्रम संगठनों के द्वारा देशव्यापी हड़ताल की जा रही है और इस हड़ताल से सीधा असर कोयला खदानों में कोयला उत्पादन पर पड़ेगा और यही कारण था कि आज एसईसीएल सोहागपुर एरिया के नवजात महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव ने संयुक्त सलाहकार समिति की एक बैठक बुलाई जिसमें एरिया के सभी पांचो श्रम संगठन के संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य शामिल हुए इसके साथ-साथ एरिया के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे।

इस मौके पर एरिया महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव ने श्रम संगठनों के पदाधिकारी से अपील करते हुए कहा कि 9 जुलाई को जो हड़ताल हो रही है उसमें भाग ना ले क्योंकि वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो कोयले की मांग लगातार बढ़ रही है देश में ऊर्जा के क्षेत्र में कोयला महत्वपूर्ण है यही कारण है कि अधिक से अधिक उत्पादन किया जा रहा है वैसे भी पिछले तीन दिनों से लगातार बरसात हो रही है जिस कारण से भी कोयला उत्पादन पर इसका असर पड़ रहा है ऐसे में अगर हड़ताल की जाती है तो सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा यही कारण है कि उन्होंने सभी संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्यों से प्रस्तावित हड़ताल में भाग न लेने की अपील की गई।

इस पर श्रम संगठन की ओर से शिवनारायण मिश्रा ने कहा कि 10 केंद्रीय यूनियन के द्वारा हड़ताल का आह्वान किया गया है और जिस तरह से केंद्र सरकार मजदूरों को लेकर जो कानून ला रही है उसी का विरोध किया जा रहा है।

न्यूज इन शॉर्ट

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम सम्पन्न

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल में सोमवार को नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु दीक्षारंभ समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस वर्ष का कार्यक्रम विशेष रूप से प्रकृति की रक्षा एवं ज्ञान परंपरा का संरक्षण की थीम पर केंद्रित रहा। समारोह का उद्देश्य छात्रों को न केवल अकादमिक जीवन में आगे बढ़ाने, बल्कि भारतीय संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन एवं शाश्वत ज्ञान परंपराओं के प्रति जागरूक बनाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती अर्चना से हुआ, जिसमें छात्रों ने ज्ञान की देवी से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने शिक्षण जीवन की पवित्र शुरुआत की।समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर जी ने की। मंचासीन अतिथियों का पारंपरिक चंदन तिलक और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।डॉ. मनीषा शुक्ला ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोधात्मक और सांस्कृतिक उपलब्धियों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर नवाचार, अनुसंधान एवं मूल्यों पर आधारित शिक्षा की दिशा में कार्य कर रहा है।इसके उपरांत प्रो. प्रमोद पाण्डेय ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संबोधन देते हुए उन्हें अनुशासन, सत्यनिष्ठा एवं आत्मविश्वास के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर होने का संदेश दिया।कुलपति प्रो. रामशंकर जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि - विश्वविद्यालय शिक्षा का केवल केंद्र नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, प्रकृति एवं परंपरा का संवाहक भी है। विद्यार्थियों को न केवल डिग्री प्राप्त करनी है, बल्कि अपने हस्ताक्षर से समाज में एक सकारात्मक पहचान बनानी है।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम जोधपुर में आयोजित किया गया शिविर

शहडोल। धरती आबा जागरुकता एवं लाभ संतृप्ति कैम्प जिले में चिन्हित ग्रामों में नियत तिथियों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम जोधपुर मे धरती आबा कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में आधार अपडेशन कार्य, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जनधन खाता, समग्र ई-केवाईसी, किसान सम्मान निधि, मातृ वंदना योजना, इत्यादि केंद्र व राज्य की योजनाओं व सेवाओं की जानकारी दी गई। आयोजित शिविर में 15 आयुष्मान कार्ड बनाये गये, 10 आधार कार्ड (नवीन) व 20 आधार अपडेशन का कार्य किया गया एवं 20 राशन कार्ड, 15 जाति प्रमाण पत्र, 30 निवास प्रमाण पत्र, 304 सिकल सेल जाँच, 20 मनरेगा, 5 पी. एम. किसान योजना के तहत आवेदन पत्र प्राप्त कर यथासंभव निराकरण किया गया। कैंप के दौरान संबंधित क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंच शिक्षकगण, आगनबाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ए.एन.एम. सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का 20 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

शहडोल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शहडोल में जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का संवैधानिक मूल्य, नागरिकता कौशल ,भारतीय ज्ञान परंपरा एवं 21 वीं सदी के कौशल विषय पर 20 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षक आशुतोष तिवारी, विनय दुबे एवं के.के. पटेल द्वारा शांति के लिए शिक्षा, पाक्सो एक्ट ,भारतीय ज्ञान परंपरा ,सतत विकास निर्माण, संविधान का निर्माण, लैंगिक समानता बहु संस्कृतिवाद एवं बहुभाषिकता एक जीवंत लोकतंत्र एवं 21वीं सदी के कौशल आदि विषयों में प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण 16 जून से 05 जुलाई 2025 के मध्य आयोजित किया गया था ।

भोपाल से मंजूरी के इंतजार में शहडोल के अटके विकास कार्य

करोड़ों की योजनाएं फाइलों में बंद, जनता को राहत मिलने में हो रही देरी

विजय मत, शहडोल।

जिले में कई महत्त्वपूर्ण विकास परियोजनाएं शासन की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। नगर पालिका, जल संसाधन विभाग, एमपीआरडीसी और खेल विभाग की करोड़ों की योजनाएं भोपाल स्तर पर अटकी हुई हैं। कुछ प्रोजेक्टों को तकनीकी स्वीकृति तो मिल गई है, लेकिन बजट आवंटन न होने से काम शुरू नहीं हो पा रहा। इन योजनाओं के शुरू होने से जिलेवासियों को बुनियादी सुविधाओं में बड़ा लाभ मिल सकता है।

मॉडल रोड की योजना अधर में लटकी

नगर पालिका ने सेपेक्स योजना के तहत दो मॉडल रोड सिंहपुर रोड और बायपास से कोनी तिराहा तक के निर्माण के लिए लगभग 38 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा था। अधिकारियों के अनुसार एक मार्ग को प्राथमिकता पर स्वीकृति मिलनी थी, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी अब तक कोई निर्णायक प्रगति नहीं हो सकी है। इससे शहरी यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की योजना अधूरी रह गई है।

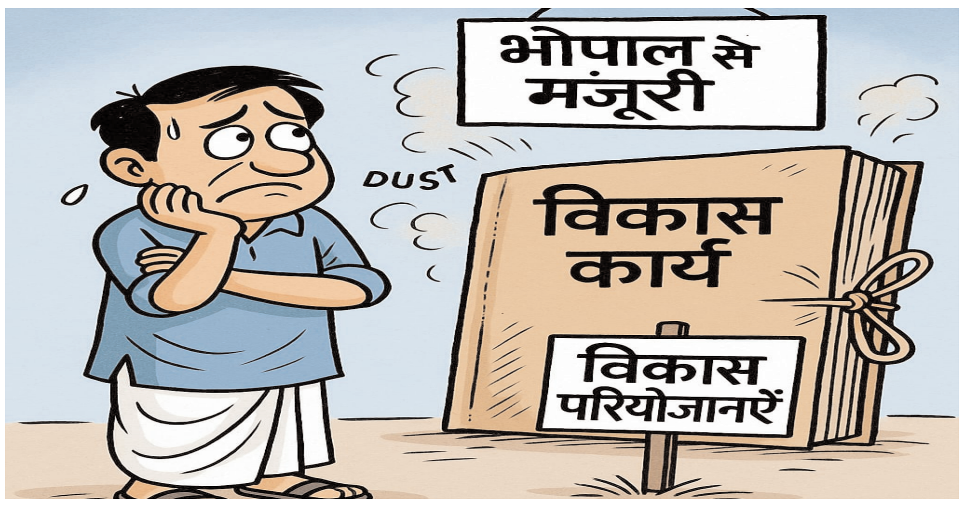

रिंग रोड निर्माण का सपना अधूरा

शहर के बाहरी क्षेत्र में 16 किलोमीटर लंबी रिंग रोड बनाने का प्रस्ताव 214 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यह सड़क सिंहपुर रोड से पाली रोड स्थित साईं मंदिर तक प्रस्तावित है। एमपीआरडीसी द्वारा तैयार किए गए इस प्रोजेक्ट में ओवरब्रिज और अन्य संरचनाएं शामिल हैं। इस रिंग रोड से शहरी यातायात दबाव कम होगा, लेकिन शासन से मंजूरी न मिलने के कारण काम शुरू नहीं हो सका है।

बैराज निर्माण को मंजूरी, पर राशि अटकी

जल संसाधन विभाग ने सोन नदी पर 4 बैराज निर्माण के लिए 2.25 करोड़ रुपये का डीपीआर तैयार कर शासन को भेजा था। माइक्रोएरीगेशन योजना के तहत इस प्रोजेक्ट को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन बजट आवंटन अब तक नहीं हो पाया है। इससे किसानों को लाभ मिलने की संभावनाएं भी अटकी हुई हैं।

निष्क्रियता से विकास कार्यों की गति रुकी

इन सभी परियोजनाओं की धीमी गति और शासन स्तर से मंजूरी में देरी के चलते जिले का विकास प्रभावित हो रहा है। अधिकारी लगातार प्रयासरत हैं, लेकिन जब तक शासन से स्वीकृति नहीं मिलती, तब तक इन परियोजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच सकेगा।

ताजिया देखने गए युवक की हत्या, विरोध में लोगों ने किया चक्का जाम

विजय मत, शहडोल।

कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी बस्ती में बीती रात एक घटना में 19 वर्षीय देवराज वंशकार पर चार अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना तब हुई जब देवराज और उसके साथी ताजिया देखने गए थे। गंभीर रूप से घायल देवराज को तुरंत जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उपचार के दौरान सोमवार की सुबह 8ः00 बजे उसने दम तोड़ दिया। अंतिम यात्रा के दौरान लोगों ने सड़क पर चक्का जाम लगा दिया, जिससे आवागमन आधे घंटे तक अवरुद्ध रहा।

घटना के बाद मृतक के परिजनों और स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया। कोतवाली के इंद्रा चौक पर सैकड़ों लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया, उनकी मांग थी कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कठोर सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर लेट कर अपना विरोध जताया, जिससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। चक्का जाम के दौरान पुलिस मौके पर मौजूद रही, विरोध कर रहे लोगों को समझा बूझकर पुलिस ने उठाया है। जब तक चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी। यह चौक शहर का हृदय स्थल कहलाता है। इस मार्ग से लोग रेलवे स्टेशन बस स्टैंड एवं बुढार की ओर जाते हैं।

स्थानीय निवासी और प्रदर्शन कर रहे लोगो ने कहा, यह एक बेहद दुखद घटना है। हम चाहते हैं कि पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई करे। और हत्या में शामिल सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा पुलिस दिलाए।

हालांकि पुलिस ने कुछ आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया है, आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है, इस मामले में पुलिस जल्द खुलासा करेगी।

बिजली व्यवस्था लापरवाहियों की भेंट चढ़ी

खुले ट्रांसफार्मर और झूलते तार बढ़ा रहे जान का खतरा

विजय मत, शहडोल।

जिले में विद्युत आपूर्ति के दौरान सुरक्षा मानकों की लगातार अनदेखी अब जानलेवा साबित हो रही है। जहां एक ओर शहरी क्षेत्र में खुले ट्रांसफार्मर और झूलते तार खतरे की घंटी बजा रहे हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों की स्थिति और भी दयनीय है। अधिकतर गांवों में आज भी विद्युत लाइनें पुराने और जर्जर तारों से संचालित हो रही हैं।

हाईटेंशन लाइन बिना गार्डिंग बनी जानलेवा – मुख्यालय से लगे सिंहपुर सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले ग्राम उधिया में वर्षों पूर्व खींची गई हाईटेंशन लाइन में आज तक सपोर्ट (गार्डिंग) वायर नहीं लगाए गए हैं। जबकि नियमों के अनुसार ठेकेदार को सपोर्ट तार लगाना आवश्यक था, जिससे मुख्य लाइन टूटने की स्थिति में करंट सीधे जमीन तक न पहुंचे। लेकिन विभागीय लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी ने ग्रामीणों को गंभीर खतरे के मुहाने पर ला खड़ा किया है।

जर्जर एलटी लाइनें बनी दुर्घटनाओं का कारण –उधिया सहित कई अन्य गांवों में एलटी लाइनें आज भी वर्षों पुरानी हैं, जिनमें तकनीकी खराबियों और टूट-फूट की घटनाएं आम हैं। विगत माह चक्की के पास तार टूटने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। वहीं हर्री गांव में भी तारों की स्थिति अत्यंत खराब है और कभी भी जानलेवा दुर्घटना हो सकती है।

विद्युत चोरी से बढ़ रहा विभागीय नुकसान – ग्रामीण क्षेत्रों में फाइबर केबिल न लगाए जाने के कारण बड़े पैमाने पर विद्युत चोरी हो रही है। कटिया डालकर बिजली को खेतों और घरों तक पहुंचाया जा रहा है। इससे जहां विभाग को भारी राजस्व हानि हो रही है, वहीं ग्रामीणों की जान भी जोखिम में है। कटिया के कारण कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद विभाग द्वारा केबिलकरण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में –जिले की इस बदहाल विद्युत व्यवस्था पर अब जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द फाइबर केबिल, गार्डिंग वायर एवं ट्रांसफार्मर सुरक्षा कवच की व्यवस्था की जाए, अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना की जिम्मेदारी पूरी तरह विभाग की होगी।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण हेतु मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपेः कलेक्टर

समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की

विजय मत, शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को संतुष्टि के साथ निराकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण हेतु मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपे तथा जिला प्रमुख अधिकारी शिकायतो के निराकरण की स्थिति की मॉनीटरिंग करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा में दी जाने वाली सेवाओं का निराकरण समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से कर लिया जाए।

कलेक्टर ने 06 जुलाई को जिले में हुई अतिवृष्टि से हुए नुकसान का संबंधित अधिकारियों से आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री सड़क योजना, जल संसाधन विभाग सहित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले की सड़कों तथा पुल-पुलियों का निरीक्षण करें तथा जहां भी वर्षा के कारण संरचनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं, उनका आकलन कर प्रतिवेदन तैयार करें। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, भागीरथी लहरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

धरती माता का श्रृंगार करने किया गया पौधरोपण

विजय मत शहडोल। पेड़ लगाओ, जीवन पाओ, धरती को हरा-भरा बनाओ, प्रकृति को हरा-भरा बनाने व पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणा एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। पेड़ से हमे न केवल ऑक्सीजन मिलती बल्कि पेड़ो में पक्षियों का आवास भी होता है। पेड़-पौधे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पेड़ पौधे वायुमंडल के तापमान को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते है। यदि आज हम पौधो को रोपण नही करेंगे तो आने वाले समय में वायुमंडल का तापमान और अधिक बढता जाएगा, जो जीवन के लिए अत्यंत हानिकारक साबित होगा। हमें पर्यावरण के प्रति सचेत रहना होगा और पौधो का रोपण करने के लिए स्वयं जागरूक रहते हुए दूसरों को भी जागरूक करना होगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गंधिया में धरती माता का श्रृंगार करने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन, एसडीओ श्री अशोक मरावी, एपीओ मनोज मिश्रा ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव तथा ग्रामीणजनों ने पौध का रोपण कर उसे जीवित रखने का संकल्प लिया।

स्वाद और सेहत

वनांचल की पारंपरिक सब्जी अब बन रही आमदनी का जरिया, शहरों में पहुंचते ही तीन गुना महंगी

साल जंगलों में निकल रहा 'पुटपुटा', स्वाद और सेहत का दुर्लभ खजाना

विजय मत, शहडोल।

जिले के वनवासी क्षेत्र जयसिंहनगर, जैतपुर और ब्यौहारी विकासखंड के घने साल (शोरिया रोबुस्टा) के जंगलों में इन दिनों एक खास मौसमी फफूंद 'पुटपुटा' (स्थानीय नाम- पुटू) की भरमार देखी जा रही है। स्वाद और सेहत से भरपूर यह वन उत्पाद अब जंगल से निकलकर सीधे महानगरों की थाली तक पहुंचने लगा है, जहां इसकी कीमतें हजार रुपये किलो तक जा रही हैं।

सिर्फ डेढ़ महीने की मेहमान, पर स्वाद लाजवाब

हर साल बारिश की पहली बूंदों के बाद शुरू होते इस फफूंद के जीवन चक्र में महज़ डेढ़ महीना ही मिलता है जब यह धरती की कोख से बाहर आता है। साल के घने जंगलों की नम मिट्टी में उगने वाली यह सब्जी स्वाद में बेहद उम्दा होती है। यही कारण है कि यह न सिर्फ ग्रामीणों की पहली पसंद बनती है, बल्कि शहरों में भी इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है।

वनवासियों का पारंपरिक ज्ञान, अब आमदनी का माध्यम

इस जड़ी-बूटीनुमा सब्जी की खोज आदिवासियों ने की थी।

शताब्दियों से वनों पर निर्भर यह समुदाय जंगल की हर वनस्पति का उपयोग जानता है। पुटपुटा उन्हीं में से एक है। यह आदिवासियों के खानपान, संस्कृति और ज्ञान परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। आज यही पारंपरिक ज्ञान उन्हें आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रहा है।

पोषण से भरपूर, स्वाद में उत्कृष्ट

विज्ञान भी अब इस पारंपरिक खानपान के महत्व को मान्यता दे रहा है। पुटपुटा में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और अन्य खनिज पाए जाते हैं। यह न केवल पेट भरने का साधन है, बल्कि एक पोषणयुक्त आहार भी है, जो शरीर को ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है।

कीमतों में बड़ा अंतर, गांव से महानगर तक

शहडोल जिले के गांवों में यह सब्जी मात्र 150 रुपये प्रति किलो के आसपास मिल जाती है, लेकिन जैसे-जैसे यह बाजारों में पहुंचती है, इसकी कीमतें चढ़ती जाती हैं। कस्बों में यह 200 से 250 रुपये प्रति किलो बिकती है, वहीं शहडोल शहर में इसकी कीमत 300 रुपये तक पहुंच जाती है। हैरानी की बात है कि यही सब्जी जब दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में पहुंचती है तो इसकी कीमत 800 से 1000 रुपये किलो तक पहुंच जाती है।

जरूरत है संरक्षण और योजना की

पुटपुटा की बढ़ती मांग को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि इसे संगठित रूप से एक वन उत्पाद के रूप में विकसित किया जाए। शासन द्वारा आदिवासियों को इसके संग्रहण, भंडारण और विपणन के लिए प्रशिक्षण और सहायता दी जाए ताकि वे इस प्राकृतिक संपदा से सीधे लाभान्वित हो सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com